■ ज्येष्ठ शुक्ल - 8 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 304 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 03-06-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 ध्यान भटकाना भाजपा की राजनीति की पहचान है : खरगे

6 आम आदमी की सवारी है साइकिल

7 खुशी भारद्वाज एस्परगर सिंड्रोम से पीड़ित इरा की चुनौतीपूर्ण भूमिका मे

फर्स्ट टेक

कोविड-19: कर्नाटक में 87 नए मामले सामने आए

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक में सोमवार को कोविड-19 के 87 नए मामले सामने आए जिससे राज्य में उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 311 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों में संक्रमण दर 17.2 प्रतिशत रही। इस दौरान राज्य में कुल 504 परीक्षण किए गए, जिनमें 464 आरटीपीसीआर और 40 आरएटी परीक्षण शामिल हैं। इससे पहले कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि सरकार किसी भी स्थिति के लिए तैयार है। सोमवार शाम उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, एक जनवरी से अब तक संक्रमण से पीड़ित चार रोगियों की मृत्यु हो चुकी है, जिन्हें अन्य बीमारियां भी थीं।

नीट - पीजी 2025 की परीक्षा स्थगित

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परीक्षा बोर्ड ने कहा है कि 15 जून को आयोजित होने वाली नीट-पीजी 2025 को स्थगित कर दिया गया है और संशोधित तिथि शीघ्र घोषित की जाएगी। बोर्ड ने सोमवार को यहां जारी एक नोटिस में बताया कि उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप नीट - पीजी 2025 की परीक्षा एक पाली में आयोजित की जाएगी। नोटिस के अनुसार न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप एक पाली में परीक्षा कराने के लिए आवश्यक व्यवस्था की जा रही है और परीक्षा की संशोधित तिथि शीघ्र घोषित की जाएगी। बोर्ड ने कहा है कि 15 जून को आयोजित होने वाली नीट-पीजी 2025 को स्थगित कर दिया गया है।

नोवाक जोकोविच ने फ्रेंच ओपन में करियर की 100वीं जीत दर्ज की

पेरिस/एपी। सर्बियाई स्टार नोवाक जोकोविच ने सोमवार को यहां चौथे दौर में कैम नूरी को 6-2, 6-3, 6-2 से हराकर फ्रेंच ओपन में करियर की 100वीं जीत दर्ज की। जोकोविच अपने 24 ग्रैंडस्लैम खिताब में से तीन रोलां गैरां में जीत चुके हैं और उन्होंने क्वार्टरफाइनल तक पहुंचने के दौरान एक भी सेट नहीं गंवाया। सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए उनका सामना तीसरे वरीय एलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा।

03-06-2025 सूर्यास्त 6:32 बजे	04-06-2025 सूर्योदय 5:41 बजे

BSE	NSE
81,451.01 (-182.02)	24,750.70 (-82.90)

सोना	चांदी
10,098 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	111,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

अब घाटी में...

हत्यारों जल्दी सुधरो अब,
वर्ना सेना मारेगी ।
जिसने गन को लिया हाथ में,
उनका जोश उतारेगी।
अब घाटी में फिजां अमन की,
जन के मन को तारेगी।
जीतेगी मानवता फिर से,
दानवता अब हारेगी।।

विमानन क्षेत्र में वैल्यू चेन लीडर के रूप में उभरेगा भारत : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के विमानन क्षेत्र में आये क्रांतिकारी बदलावों की सराहना करते हुए आज कहा कि देश में विमानन क्षेत्र नई ऊंचाइयों पर पहुंचने के लिए तैयार है और आने वाले दिनों में दुनिया, भारत को एक विमानन बाज़ार नहीं, बल्कि एक वैल्यू चेन लीडर के रूप में भी देखेगी इसलिए दुनिया की बड़ी विमानन कंपनियों के लिए भारत में निवेश के लिए आज एक बेहतरीन अवसर है।

मोदी ने यहां भारत मंडपम में अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (आईएटीए) की 81वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) और विश्व वायु परिवहन शिखर सम्मेलन (डब्ल्यूएटीएस) के पूर्ण सत्र को संबोधित किया।

मोदी ने विश्व स्तरीय हवाई बुनियादी ढांचे के विकास और कनेक्टिविटी को बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि आज का भारत पहले से कहीं अधिक आश्वस्त है। उन्होंने वैश्विक विमानन पारिस्थितिकी तंत्र में भारत की भूमिका को न केवल एक विशाल बाजार के रूप में बल्कि नीतिगत नेतृत्व, नवाचार और समावेशी विकास के प्रतीक के रूप में भी रेखांकित किया। आज भारत अंतरिक्ष-विमानन क्षेत्र में एक वैश्विक लीडर के रूप में उभर रहा है। यह देखते हुए कि नागरिक उड्डयन क्षेत्र ने पिछले एक दशक में ऐतिहासिक प्रगति देखी है, जो अच्छी तरह से मान्यता प्राप्त हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह शिखर सम्मेलन और संवाद न केवल विमानन के लिए बल्कि वैश्विक सहयोग, जलवायु प्रतिबद्धताओं और न्यायसंगत विकास को आगे बढ़ाने के लिए भी एक मंच के रूप में काम करते हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि शिखर सम्मेलन में चर्चा वैश्विक विमानन को नई दिशा प्रदान करेगी, इसकी अनंत संभावनाओं को उजागर करेगी और इसकी क्षमता को अनुकूलित करेगी। उन्होंने चंद घंटों में विशाल दूरी एवं अंतरमहाद्वीपीय यात्राओं को पार करने की मानवता की क्षमता पर रेखांकित की और इस बात पर जोर दिया कि 21वीं सदी की आकांक्षाएं पारंपरिक यात्रा से परे विकसित होती रहती हैं। उन्होंने नवाचार की तीव्र गति और तकनीकी प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि जैसे-जैसे गति बढ़ती है, दूर के गंतव्य हमारी नियति बन रहे हैं।

भारत और पराग्वे आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हैं : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत और पराग्वे आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुट हैं और दोनों के पास साइबर अपराध तथा मादक पदार्थों की तस्करी जैसी साझा चुनौतियों से निपटने के लिए एकजुट होकर काम करने की अपार संभावनाएं हैं। मोदी ने पराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पालासियोस के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में यह टिप्पणी की। पालासियोस समग्र सहयोग बढ़ाने के तरीकों की खोज के लिए भारत की तीन-दिवसीय यात्रा पर आज सुबह दिल्ली पहुंचे। यह उनकी पहली भारत यात्रा है, जबकि दक्षिण अमेरिकी देश के किसी राष्ट्रपति की दूसरी यात्रा है। लैटिन अमेरिकी क्षेत्र में भारत के लिए पराग्वे एक महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार है। ऑटोमोबाइल और फार्मास्यूटिकल्स क्षेत्र की कई भारतीय कंपनियां पराग्वे में मौजूद हैं।

मोदी ने कहा, ''हम डिजिटल प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा, कृषि, स्वास्थ्य सेवा, रक्षा, रेलवे, अंतरिक्ष और समग्र आर्थिक साझेदारी जैसे क्षेत्रों में सहयोग के नये अवसर देखते हैं।''

बरेली के पास ट्रेन को पटरी से उतारने की कोशिश नाकाम

बरेली (उत्तर प्रदेश)/भाषा। उत्तर प्रदेश के बरेली में दोहना स्टेशन के पास टनकपुर-बरेली यात्री ट्रेन को पटरी से उतारने की कथित कोशिश को ट्रेन के 'लोको पायलट' की सतर्कता के चलते नाकाम कर दिया गया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। ट्रेन को सुरक्षित रूप से रोक दिया गया और किसी के घायल होने की खबर नहीं है। अधिकारियों के अनुसार, अज्ञात लोगों ने रेलवे स्विच (ट्रैक सिजर) में पत्थर भर दिए और दोहना के पास पटरी पर बड़े लोहे के एंगल लगा दिए, जिसका स्पष्ट इरादा ट्रेन को अस्थिर करना और पटरी से उतारना था। उन्होंने कहा कि घटना रविवार रात 11:58 बजे हुई जब ट्रेन इलाके से गुजर रही थी। यह ट्रेन रात करीब 9:30 बजे टनकपुर से रवाना होती है और रात 12:55 बजे बरेली जंक्शन पहुंचती है। अधिकारियों ने कहा कि लोको पायलट ने पटरी पर अनियमितता देखी और तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाया, जिससे ट्रेन रुक गई। एक अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पुष्टि हुई है कि रेलवे अर्थिंग लाइन के साथ छेड़छाड़ की गई थी और नुकसान पहुंचाने के लिए जानबूझकर लोहे की चीजें रखी गई थीं। अधिकारी ने बताया कि भोजीपुरा थाने में संबंधित धाराओं के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है और दोषियों की पहचान के लिए जांच जारी है। रेलवे अधिकारियों ने पूरे क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी है और पटरी पर गश्त तेज कर दी है।

तमिलनाडु, असम से

राज्य सभा की आठ सीटों के चुनाव के लिए अधिसूचनाएं जारी

नई दिल्ली/भाषा। राज्य सभा के लिए असम और तमिलनाडु से कुल आठ सीटों के लिए 19 जून को कराये जाने वाले चुनाव के लिए अधिसूचनाएं सोमवार को जारी कर दी गयीं । अधिसूचनाओं के साथ ही दोनों राज्यों में चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया का काम शुरू हो गया है।

राज्य सभा में असम की इन दो सीटों के वर्तमान प्रतिनिधियों का कार्यकाल 14 जून को और तमिलनाडु की छह सीटों के प्रतिनिधियों का कार्यकाल 24 जुलाई को समाप्त हो रहा है।

चुनाव आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार इन चुनावों के लिए नामांकन-पत्र नौ जून तक भरे जा सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 10 जून को की जाएगी और नाम 12 जून तक वापस लिये जा सकेंगे। आवश्यकता पड़ने पर मतदान 19 जून को सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक कराय जायेगा। इसमें संबंधित राज्यों के विधान सभा सदस्य मतदान करेंगे। मतगणना मतदान सम्पन्न होने के एक घंटे बाद की जाएगी। आयोग ने कहा है कि मतदान की पूरी प्रक्रिया 23 जून तक सम्पन्न करा ली जाएगी।

टेस्ला को भारत में कार बनाने में कोई दिलचस्पी नहीं : कुमारस्वामी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने सोमवार को कहा कि कार विनिर्माता टेस्ला भारत में इलेक्ट्रिक कार के विनिर्माण में रुचि नहीं रखती है, लेकिन वह देश में शोरूम स्थापित करने को इच्छुक है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि यदि टेस्ला भारत के शुल्क से बचने के लिए वहां कारखाना स्थापित करती है, तो यह अमेरिका के लिए ''अनुचित'' होगा।

कुमारस्वामी ने यहां पत्रकारों से कहा, '' टेस्ला... वे केवल शोरूम खोलने में रुचि रखते हैं। भारत में विनिर्माण शुरू करने में उनकी कोई रुचि नहीं है।''

मंत्री ने भारत में इलेक्ट्रिक कार के विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजना के वास्ते दिशा-निर्देश पेश करने के लिए आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में यह टिप्पणी की।

वहीं एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '' अभी तक उन्होंने (टेस्ला) रुचि नहीं दिखाई है।

'भारत को एस-400 मिसाइल प्रणाली की बाकी इकाइयां 2026 तक मिल जाएंगी'

नई दिल्ली/भाषा। रूस 2025-2026 तक भारत को एस-400 वायु रक्षा प्रणाली की बाकी इकाइयां देने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत में रूसी दूतावास के उप प्रमुख रोमन बाबुश्किन ने सोमवार को यह जानकारी दी। बाबुश्किन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पहलगाम आतंकवादी हमले और उसके जवाब में चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच छिड़े सैन्य संघर्ष में एस-400 मिसाइल प्रणाली ने बेहद प्रभावी ढंग से काम किया।

बाबुश्किन ने वायु रक्षा और ड्रोन रोधी प्रणालियों के क्षेत्र में भारत के साथ द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के संकेत भी दिए। उन्होंने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, हमने सुना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में हुए संघर्ष के दौरान एस-400 ने बहुत ही प्रभावी ढंग से काम किया। हमारे बीच सहयोग का एक लंबा इतिहास रहा है। यूरोप और यहां की स्थिति के मद्देनजर, हम महसूस कर रहे हैं कि वायु रक्षा प्रणाली सामान्य रूप से रक्षा तैयारी में हमारी साझेदारी के सबसे आशाजनक पहलुओं में से एक है।

यूक्रेन और रूस के बीच तुर्किये में ताजा दौर की शांति वार्ता समाप्त

इस्तांबुल/एपी। रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधिमंडलों के बीच नये दौर की प्रत्यक्ष शांति वार्ता सोमवार को तुर्किये में समाप्त हो गई। बैठक एक घंटे से कुछ अधिक समय तक चली। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और रूसी सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। जेलेंस्की ने लिथुआनिया के विनियस में कहा कि दोनों पक्षों ने ''तुर्किये के माध्यम से दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया और हम नये सिरे से युद्धबंदियों की अदला-बदली की तैयारी कर रहे हैं।'' शांति वार्ता में रूस और यूक्रेन युद्ध में मारे गए 6,000 सैनिकों के शवों की अदला-बदली करने पर भी सहमत हुए हैं। जेलेंस्की ने कहा कि 16 मई को हुई पिछली दौर की वार्ता के बाद दोनों पक्षों के 1,000 बंदियों की अदला-बदली हुई थी।

16 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, केरलापेंदा गांव हुआ माओवाद मुक्त

सुकमा/भाषा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सोमवार को कुल 25 लाख रुपए के इनामी 16 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इनमें से नौ नक्सली चिंतलनार पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत केरलापेंदा ग्राम पंचायत के हैं। इस आत्मसमर्पण के साथ ही यह गांव नक्सलवाद से मुक्त हो गया है। राज्य सरकार की नई योजना के अनुसार नक्सल मुक्त ग्राम पंचायत को विकास परियोजनाओं के लिए एक करोड़ रुपया प्रदान किया जाएगा। सुकमा जिले के पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने बताया कि एक महिला समेत सभी 16 नक्सलियों ने माओवादियों की अमानवीय विचारधारा और स्थानीय आदिवासियों पर नक्सलियों के अत्याचारों से तंग आकर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

कृषि अवसंरचना कोष के तहत पैक्स को ऋण सुविधा का विस्तार करें : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कृषि अवसंरचना कोष (एआईएफ) के तहत प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) को ऋण सुविधा का विस्तार करने के लिए तत्काल कार्रवाई का आह्वान किया, ताकि उनकी वित्तीय स्थिति में सुधार हो सके।

दुनिया का सबसे बड़ा सहकारी खाद्यान्न भंडारण नेटवर्क बनाने की योजना की समीक्षा करते हुए शाह ने खाद्य भंडारण योजना में पैक्स की व्यापक भागीदारी पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''पैक्स को इस योजना का अभिन्न अंग बनाना आवश्यक है ताकि उनकी वित्तीय व्यवहार्यता और सामाजिक प्रभावशीलता सुनिश्चित की जा सके।''

एक सरकारी बयान के अनुसार, शाह ने खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय और भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) को देशभर के गोदामों की राष्ट्रीय स्तर पर मैपिंग करने का निर्देश दिया, ताकि क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुसार योजना का कार्यान्वयन सुचारू रूप से किया जा सके।

मंत्री ने एफसीआई, राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ), राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) और राज्य भंडारण निगमों को पैक्स को अधिक से अधिक गोदामों से जोड़ने के निर्देश भी दिए।

बैठक में निर्णय लिया गया कि राज्यों को अपने स्तर पर अधिक से अधिक पैक्स को इस योजना में शामिल करना चाहिए और एक पूर्ण सहकारी आपूर्ति शृंखला विकसित करने के लिए राज्य स्तरीय विपणन संघों को भी इससे जोड़ा जाना चाहिए।

शाह ने सभी संगठनों से इस योजना को समय पर और प्रभावी तरीके से समन्वित और कार्यान्वित करने का आह्वान किया ताकि यह 'आत्मनिर्भर भारत' और 'सहकार से समृद्धि' के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो।

बैठक में सहकारिता राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर और मुरलीधर मोहोल के अलावा सहकारिता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, उपभोक्ता मामले, एफसीआई, नाबार्ड, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) और अन्य संस्थानों के अधिकारी मौजूद थे।

राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस पोर्टल के अनुसार, वर्तमान में भारत में एक लाख से भी अधिक पैक्स हैं।

देशभर में कृषि अवसंरचना के विकास के लिए मध्यम से दीर्घकालिक ऋण वित्तपोषण प्रदान करने के लिए वर्ष 2020 में एआईएफ को शुरू किया गया था। यह योजना शुरू में 10 साल की अवधि (2020-2030) के लिए निर्धारित की गई थी।

मानवता के हित में है आतंकवाद का खात्मा

सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडलों ने सोमवार को कई देशों के नेताओं से मुलाकात की और आतंकवाद से लड़ने के भारत के संकल्प को रेखांकित किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/काहिरा/कुआलालंपुर/भाषा। सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडलों ने सोमवार को कई देशों के नेताओं से मुलाकात की और आतंकवाद से लड़ने के भारत के संकल्प को रेखांकित किया।

प्रतिनिधिमंडलों ने इस बात पर जोर दिया कि मानवता के हित के लिए आतंकवाद का खात्मा किया जाना चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व वाले संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने लंदन में हिंद-प्रशांत मामलों की मंत्री कैथरीन वेस्ट से मुलाकात की। इस दौरान, वेस्ट ने प्रतिनिधिमंडल से कहा कि ब्रिटेन आतंकवाद से लड़ने के प्रयासों में भारत के साथ है।

स्थित भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कहा कि बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने आतंकवाद से अपने दम पर निपटने के भारत के संकल्प को दोहराया। प्रतिनिधिमंडल ने इस बात पर भी जोर दिया कि आतंकवाद सभी देशों के लिए खतरा बना हुआ है और इसलिए दुनिया को पूरी मानवता के हित में इस संकट को खत्म करने की जरूरत है।

बयान के मुताबिक, ब्रिटेन की तरफ से वेस्ट ने पहलगाम आतंकवादी हमले की एक बार फिर निंदा की और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता सुनिश्चित करने में भारत के योगदान की सराहना की। बयान के अनुसार, वेस्ट ने कहा कि भारत के प्रयासों में ब्रिटेन साथ खड़ा है। आतंकवादी हमलों के पीड़ित देश के रूप में ब्रिटेन का मानना है कि आतंकी कृत्यों को अंजाम देने वालों को अदालत के कठघरे में लाया जाना चाहिए। सभी देशों को इस दिशा में काम करना चाहिए।

बंद कमरे में हुई इस बैठक के बाद प्रतिनिधिमंडल ने लंदन स्थित इंडिया हाउस में ब्रिटेन के कुछ अग्रणी थिंक टैंक के प्रतिनिधियों के साथ गहन विचार-विमर्श किया।

विचार-विमर्श के बाद प्रसाद ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हमने उन्हें अवगत कराया कि हम यहां क्यों हैं। हमने यह भी कहा कि हम पाकिस्तान से निपटने में सक्षम हैं। हम शांति और सौहार्द में यकीन रखते हैं, लेकिन हमें अपने लोगों की आजीविका को बचाने के लिए भी आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करनी होगी। दुनिया को आतंकवाद के इस कैंसर को समझना होगा।

भाजपा सांसद बैजयंत जय पांडा के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को चार देशों (बहरीन, कुवैत, सऊदी अरब और अल्जीरिया) की अपनी यात्रा पूरी की। प्रतिनिधिमंडल में शामिल पूर्व राजनयिक हर्ष वी शृंगला ने बताया कि यात्रा के अंतिम पड़ाव अल्जीरिया में, सदस्यों ने आतंकवाद के खिलाफ कतई बर्दाश्त न करने की भारत की नीति को सफलतापूर्वक रेखांकित किया।

शृंगला ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, राजनीतिक, भाषाई और आध्यात्मिक रूप से विविध समूह, जो 'भारत प्रथम' की सर्वोत्तम भावना के साथ एक स्वर में बोलता है!

प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने रविवार रात अल्जीरियाई संसद में विदेश मामलों, सहयोग और राष्ट्रीय समुदाय संबंधी संसदीय समिति के अध्यक्ष मोहम्मद खोउने से मुलाकात की, जिन्होंने उनके सम्मान में रात्रिभोज का आयोजन किया।

पांडा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, आपसी हितों के व्यापक विषयों और आतंकवाद के सभी रूपों से लड़ने की भारत की प्रतिबद्धता पर चर्चा की गई।

यूपीआई लेनदेन मई में 25.14 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली/भाषा। एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) के जरिये लेनदेन मई में 25.14 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। यह आंकड़ा इससे पिछले महीने की तुलना में पांच प्रतिशत अधिक है। राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने सोमवार को यह कहा। अप्रैल में यूपीआई लेनदेन का मूल्य 23.94 लाख करोड़ रुपए था। मात्रा के लिहाज से बात करें तो मई में 1,867.7 करोड़ लेनदेन किए गए, जबकि इससे पिछले महीने 1,789.3 करोड़ लेनदेन हुए थे। एनपीसीआई ने कहा कि लेनदेन का मूल्य मई में 25.14 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 20.44 लाख करोड़ रुपए था। इस तरह सालाना आधार पर 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

इंडिगो की उड़ान से गिद्ध टकराया, विमान को आपात स्थिति में रांची में उतारना पड़ाः अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची (झारखंड)/भाषा। इंडिगो की एक उड़ान के करीब 175 यात्री सोमवार को तब बाल-बाल बच गये जब विमान को पक्षी से टकराने के बाद आपात स्थिति में यहां बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर उतारा गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं, जबकि विमान एयरबस 320 को नुकसान पहुंचा है।

बिरसा मुंडा हवाई अड्डे के निदेशक आर आर मौर्य ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''रांची के पास इंडिगो की एक उड़ान से पक्षी टकरा गयी। जब यह घटना हुई, तब विमान यहां से करीब 10 से 12 नौटिकल मील दूर, करीब 3,000 से 4,000 फुट की ऊंचाई पर था। इंडिगो का यह विमान पटना से रांची आ रहा था और पायलट को उसे यहां आपातस्थिति में विमान उतारना पड़ा।'' उन्होंने कहा कि सभी यात्री सुरक्षित हैं लेकिन ' गिद्ध से टक्कर लगने के बाद विमान को नुकसान पहुंचा। इंजीनियर नुकसान का आकलन कर रहे हैं।''

यह घटना दोपहर एक बजकर 14 मिनट पर हुई।

एक अन्य अधिकारी ने कहा कि रांची आ रहे इस विमान का कोलकाता जाने का कार्यक्रम था।

हालांकि इंडिगो ने कोई टिप्पणी नहीं की है।

प्रधानमंत्री मोदी 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद आज करेंगे मंत्रिपरिषद की पहली बैठक की अध्यक्षता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। यह पहलगाम आतंकवादी हमले और उसके जवाब में चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद मंत्रिपरिषद की पहली बैठक होगी।

सूत्रों ने सोमवार को बताया कि बैठक में मंत्रियों को 'ऑपरेशन सिंदूर' का ब्योरा दिए जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी नीत केंद्र सरकार के तीसरे कार्यकाल के एक साल पूरे होने के मौके पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से अगले हफ्ते शुरू किए जाने वाले कार्यक्रमों में भी इस अभियान का जिक्र किए जाने की उम्मीद है। सूत्रों के मुताबिक, मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रधानमंत्री 'ऑपरेशन सिंदूर' पर बोलने के अलावा इस बात पर प्रकाश डाल सकते हैं कि उनकी सरकार का समग्र जोर किन चीजों पर है, क्योंकि मंत्री सरकार के एक साल पूरे होने के मौके पर देशभर में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों में लोगों के बीच जाने को तैयार हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकवादी ठिकानों पर भारतीय सशस्त्र बलों की ओर से किए गए सटीक हवाई हमले और उसके बाद पाकिस्तान के हमलों के जवाब में पड़ोसी देश के सैन्य प्रतिष्ठानों, खासकर वायुसैनिक ठिकानों पर किए गए भारतीय हमले प्रधानमंत्री मोदी के हालिया भाषणों का मुख्य बिंदु रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' आतंकवादी कृत्यों में पाकिस्तान की भूमिका का जवाब देने के लिए भारत के नये रुख को रेखांकित करता है। उन्होंने भविष्य में भारतीय धरती पर किसी भी आतंकवादी घटना की स्थिति में आतंकवादियों और उनके प्रायोजकों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई करने का संकल्प जताया है। मंत्रिपरिषद की बैठक आम तौर पर कुछ महीनों के अंतराल पर होती है, लेकिन केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के विपरीत इसकी कोई निश्चित समयसीमा नहीं होती। मंत्रिपरिषद की बैठक में शीर्ष नौकरशाहों की मौजूदगी में प्रमुख सरकारी नीतियों के कार्यान्वयन पर विस्तार से चर्चा की जाती है।

दृष्टिबाधित खिलाड़ियों ने खेला दोस्ताना क्रिकेट मैच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के दृष्टिबाधित खिलाड़ियों की दो टीमों के बीच रविवार को एक दोस्ताना क्रिकेट मैच 'टीम धुलाई' और 'टीम पिटाई' के बीच खेला गया, जिसमें दृष्टिबाधित खिलाड़ियों तथा उनके दृष्टिवान साथियों ने जमकर आनन्द लिया। टीम धुलाई ने प्रतिद्वंदी टीम को 25 रनों से हराकर जीत दर्ज की। इस मुकाबले ने न केवल दृष्टिबाधित प्रतिभागियों को आकर्षित किया, बल्कि उनके दृष्टिबाधित दोस्तों को भी इसमें शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया। मैच में दृष्टिबाधित खिलाड़ी आसानी से ध्वनि-सक्षम गेंदों को प्रभावी ढंग से ट्रैक कर सके। दोस्ताना क्रिकेट मुकाबले के दौरान मित्र ज्योति की संस्थापक एवं प्रबंधन्यासी सुश्री मधु सिंघल ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

जेपीपी जैन युवा फाउंडेशन ने आगामी कार्यक्रमों पर की चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी एवं डॉ. पद्मचंद्रजी के आशीर्वाद से जेपीपी जैन युवा फाउंडेशन का गठन हुआ था जिसकी अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी चेतन कोठारी को सौंपी गई थी। रविवार को फाउंडेशन की एक बैठक का आयोजन हुआ जिसमें नई कार्यकारिणी समिति के रूप में अध्यक्ष चेतन कोठारी, उपाध्यक्ष आनंद सियाल एवं सिद्धार्थ गोटावत, मंत्री अक्षय श्रीश्रीमाल, कोषाध्यक्ष निशांत मकाना, सहमंत्री विशाल लोढ़ा, संगठनमंत्री वर्धमान श्रीश्रीमाल, प्रचार-प्रसार मंत्री प्रवीण बोहरा, सदस्य कल्पेश नाहर, संजय कोठारी, संदीप बाफना, विकास बोहरा, लतेश लोढ़ा, विनोद बोहरा को शामिल किया गया। बैठक में अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव, दैनिक विहार सेवा, जयमल जैन संस्कार शिविर एवं अहिंसा-पर्यावरण रैली आदि कार्यों की समीक्षा की गई और सहयोगियों को धन्यवाद दिया गया।

साथ ही आगामी 11 जून को रायचूर में आयोजित मुमुक्षु दिलीप धोका के दीक्षा महोत्सव व 29 जून को आयोजित जेपीपी प्रीमियर लीग-टर्फ क्रिकेट टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर भी चर्चा हुई तथा खेल समिति का गठन किया गया। कोषाध्यक्ष निशांत मकाना ने सभी को धन्यवाद दिया।

उम्मीद है कि केंद्र सरकार कोविड के मामलों से निपटने के लिए समय पर ठोस कदम उठाएगी : केजरीवाल

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को उम्मीद जताई कि देश में कोविड-19 के मामलों में वृद्धि के मद्देनजर अस्पतालों में पूरी तैयारी सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार समय पर ठोस कदम उठाएगी। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक ने सावधानी बरतने के महत्व पर भी बल दिया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, देश में कोविड-19 के 3,395 मरीज उपचाराधीन हैं, जिनमें केरल में 1,336, महाराष्ट्र में 467 और दिल्ली में 375 मरीज हैं। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि दिल्ली में 60 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई, जो आंतों की बीमारी से जूझ रही थी और बाद में वह कोविड-19 से संक्रमित पाई गई थी। केजरीवाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, देश में एक बार फिर कोरोना संक्रमण तेज़ी से फैल रहा है। राजधानी समेत देश के अन्य इलाकों में लगातार नए मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में हम सभी को सतर्क रहने और ज़रूरी एहतियात बरतने की ज़रूरत है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने केदारनाथ और बदरीनाथ के दर्शन किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोपेश्वर/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को उत्तराखंड में केदारनाथ और बदरीनाथ के दर्शन किए।

गुप्ता सपरिवार बाबा केदारनाथ और भगवान बदरीविशाल के दर्शन के लिए पहुंचीं और पूजा अर्चना की।

पूरे विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना के दौरान मुख्यमंत्री ने विकसित भारत की कामना करते हुए भगवान से प्रार्थना की कि देश प्रगति के पथ पर तेजी से आगे बढ़े, प्रत्येक नागरिक समृद्ध हो और भारत विश्व भर में एक सशक्त और विकसित राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान बनाए।

अपनी यात्रा के अनुभव साझा करते हुए गुप्ता ने कहा, ''बदरीनाथ धाम की दिव्यता और शांति मन को असीम सुख देती है। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे यहां आकर भगवान बदरी विशाल के दर्शन करने का अवसर मिला। इस पवित्र स्थल पर आकर मैंने न केवल

दिल्ली और उसके निवासियों के लिए बल्कि पूरे भारतवर्ष के उज्ज्वल भविष्य और एक पूर्ण विकसित राष्ट्र बनने की कामना की।''

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने रविवार को हरिद्वार में परिवार समेत गंगा स्नान कर पूजा-अर्चना की थी और मां गंगा से यमुना को भी उनके जैसी स्वच्छ, अविरल और सुंदर बनाने की प्रार्थना की थी।

एजीआर बकाया पर फैसले के बाद सरकार के संपर्क में है वोडाफोन आइडियाः सीईओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बकाया पर उच्चतम न्यायालय से राहत पाने में नाकाम रही दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया ने सोमवार को कहा कि वह इस मुद्दे का समाधान खोजने के लिए केंद्र सरकार के संपर्क में बनी हुई है। वोडाफोन आइडिया लिमिटेड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अक्षय मूंदड़ा ने कहा कि सरकार को कंपनी को राहत देने से रोकने वाला कोई भी कारण उन्हें नहीं नजर आता है।

मूंदड़ा ने कंपनी के मार्च तिमाही के वित्तीय नतीजों की घोषणा के बाद निवेशकों से चर्चा के दौरान कहा कि भारत में प्रति ग्राहक औसत कमाई (एआरपीयू) वैश्विक स्तर पर सबसे कम है और दूरसंचार उद्योग का रिटर्न पूंजी की लागत से भी कम है। उन्होंने कहा कि उद्योग को एक ऐसे मूल्य-निर्धारण मॉडल की ओर बढ़ना चाहिए जहां अधिक डेटा की खपत करने वाले ग्राहक अपने उच्च उपयोग के अनुपात में अधिक योगदान करें। स्पेक्ट्रम शुल्क के बकाया एजीआर पर मूंदड़ा ने कहा कि कंपनी समाधान खोजने के लिए सरकार के साथ बातचीत कर रही है। उन्होंने कहा, ''हम सरकार के संपर्क में हैं। मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकता कि सरकार क्या करेगी। लेकिन फैसले के बाद हम निश्चित तौर पर एजीआर मामले का समाधान खोजने के लिए सरकार के साथ बातचीत जारी रखेंगे।'' हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने वोडाफोन आइडिया की तरफ से दायर याचिका खारिज कर दी थी जिसमें एजीआर बकाया पर देय करीब 30,000 करोड़ रुपए के ब्याज एवं जुर्माने को माफ करने की अपील की गई थी।

रेपो दर में 0.5% की बड़ी कटौती कर सकता है रिजर्व बैंक : एसबीआई शोध

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक शोध रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) शुक्रवार को अपनी मौद्रिक समीक्षा में रेपो दर में आधा प्रतिशत की भारी कटौती कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, ऋण चक्र को फिर से बहाल करने और अनिश्चितताओं का मुकाबला करने के लिए ऐसा किया जा सकता है।

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) चार जून को अगली द्विमासिक नीति पर विचार-विमर्श शुरू करेगी और छह जून (शुक्रवार) को बैठक में लिए गए निर्णय की घोषणा करेगी।

केंद्रीय बैंक ने फरवरी और अप्रैल में प्रमुख ब्याज दर (रेपो) में 0.25 प्रतिशत की कटौती की थी, जिससे यह घटकर छह प्रतिशत पर आ गई है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय एमपीसी ने अपनी अप्रैल की नीति में रुख को तटस्थ से बदलकर उदार करने का भी फैसला किया था।

क्या देशभक्त होना इतना मुश्किल हैः खुर्शीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद वैश्विक स्तर पर भारत का पक्ष रखने वाले प्रतिनिधिमंडलों में से एक में शामिल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने सोमवार को कहा कि यह दुखद है कि देश में लोग राजनीतिक निष्ठाओं का आकलन कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या देशभक्त होना इतना मुश्किल है?

पूर्व विदेश मंत्री खुर्शीद जनता दल यूनाइटेड (जदयू) नेता संजय झा की अध्यक्षता वाले प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं। यह प्रतिनिधिमंडल जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, इंडोनिशिया और मलेशिया की यात्रा पर गया है।

खुर्शीद ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''जब आतंकवाद के खिलाफ भारत का संदेश दुनिया तक पहुंचाने के मिशन पर हों, तो यह दुखद है कि देश में लोग राजनीतिक निष्ठाओं का आकलन कर रहे हैं। क्या देशभक्त होना इतना मुश्किल है?'' खुर्शीद का यह पोस्ट कांग्रेस सांसद शशि थरूर पर उदित राज और पार्टी के कुछ अन्य नेताओं के हमलों के बाद आया है। उदित राज ने तो थरूर को भाजपा का 'सुपर प्रवक्ता' करार दिया था। थरूर सात प्रतिनिधिमंडलों में से एक का नेतृत्व कर रहे हैं और इस समय ब्राजील में हैं। खुर्शीद ने रविवार को इंडोनेशिया में थिंक टैंक के साथ बातचीत के दौरान कहा था कि कश्मीर में लंबे समय से ''बड़ी समस्याएं'' थीं और अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से आखिरकार इनका अंत हो गया। इस टिप्पणी का सत्तारूढ़ भाजपा के नेताओं ने स्वागत किया और इसे लेकर एक राजनीतिक विवाद भी खड़ा हो गया।

भारतीय अर्थव्यवस्था 2047 तक 30,000 अरब अमेरिकी डॉलर के करीब होगीः अमिताभ कांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जी-20 के शेरपा अमिताभ कांत ने सोमवार को कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था फिलहाल चार हजार अरब डॉलर की है और 2047 तक इसके 30 हजार अरब डॉलर के करीब पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि देश को युवा आबादी का भी लाभ मिलेगा।

अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) के राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक सत्र में उन्होंने यह बात कही।

कांत ने कहा, '' अधिक युवा आबादी है। दुनिया के पश्चिमी हिस्से की अधिकतर आबादी बुजुर्ग हो रहा है और जापान की (अधिकतर आबादी) पहले ही बूढ़ी हो चुका है, यहां तक कि चीन की (अधिकतर आबादी) भी बूढ़ी हो रही है। भारत की अधिकतर आबादी की उम्र सिर्फ 28 वर्ष साल है और जब हमारे देश को (आजाद हुए) 100 साल हो जाएंगे, तब भी औसत आयु 35 वर्ष होगी। ''

उन्होंने कहा कि 2047 में देश की अर्थव्यवस्था 30,000 अरब अमेरिकी डॉलर के करीब होगी। देश 4,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था है और हाल ही में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।

कांत ने टिकाऊ शहरीकरण पर जोर देते हुए कहा कि देश में करीब 50 लाख लोग शहरीकरण की प्रक्रिया में शामिल होंगे और भारत में 500 नए शहर बनाने की जरूरत होगी। उन्होंने कहा, '' आपको अगले पांच दशक में दो नए अमेरिका बनाने की जरूरत है। आपको भारत में हर पांच साल में एक शिकॉगो (अमेरिका का शहर) बनाने की जरूरत है। यही भारत के लिए चुनौती है।''

कांत ने साथ ही कहा कि भारत 400 हवाई अड्डे बनाने की महत्वाकांक्षा रखता है।

देश में अभी 150 से अधिक चालू हवाई अड्डे हैं। उन्होंने कहा, '' आपको बेहतरीन हवाई अड्डों, बेहतरीन विमानन कंपनियों की जरूरत है, आपको लंबी दूरी की उड़ानें संचालित करने की जरूरत है... इंडिगो और एयर इंडिया को अपने बड़े आकार के विमानों के साथ अमीरात, कतर एयरवेज के साथ प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए... हम बाजार में प्रतिस्पर्धा करने में विश्वास करते हैं।''

धनंजय मुंडे ने मन की शांति के लिए ध्यान का सही मार्ग चुना हैः पंकजा मुंडे

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र की मंत्री पंकजा मुंडे ने विपश्यना का 'सही मार्ग' चुनने के लिये अपने चचेरे भाई और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता धनंजय मुंडे का समर्थन किया। धनंजय मुंडे को बीड़ के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या को लेकर उठे राजनीतिक विवाद के बीच मंत्री पद से इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा था।

धनंजय मुंडे पिछले आठ दिनों से इगतपुरी में ध्यान शिविर में भाग ले रहे हैं। पंकजा मुंडे ने हाल ही में पुणे में संवाददाताओं से कहा, '' धनंजय मुंडे ने सही विकल्प चुना है। अगर इससे उन्हें मानसिक शांति मिलती है, तो यह सही कदम है।'' देशमुख हत्याकांड के आरोपी वाल्मीक कराड के साथ संबंधों के गंभीर आरोपों के बीच धनंजय मुंडे ने फरवरी में महाराष्ट्र मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था।

वह अपनी पूर्व साथी के दावों के बाद एक निजी संकट से भी जूझ रहे हैं, जिसने दावा किया है कि वह उनकी पहली पत्नी है। धनंजय मुंडे के इस्तीफे के बाद, उनके पास जो विभाग था, उसे राकांपा के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल को सौंप दिया गया है।

अजित ने लाडकी बहिन योजना के भुगतान में चूक स्वीकार की

शिवसेना (उबाठा) ने इस्तीफा मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने सोमवार को माना कि पिछले साल शुरू हुई लाडकी बहिन योजना के तहत वित्तीय सहायता का भुगतान सभी महिला आवेदकों को करके चूक हुई। पवार ने कहा कि जांच के माध्यम से इस गलती को ठीक किया जाएगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल वास्तविक लाभार्थियों को ही सहायता प्राप्त हो। उन्होंने इस चूक के लिए जल्दबाजी में योजना के क्रियान्वयन को जिम्मेदार ठहराया।

लाडकी बहिन योजना की घोषणा पिछले साल नवंबर में हुए राज्य विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले की गई थी। वित्त मंत्रालय का कार्यभार संभाल रहे पवार ने बारामती में संवाददाताओं से कहा, हमने सभी महिला आवेदकों को वित्तीय लाभ देकर गलती की। हमारे पास आवेदनों की जांच करने और अयोग्य लोगों की पहचान करने के लिए बहुत कम समय था। उस समय, दो से तीन महीने में चुनावों की घोषणा होनी थी। हालांकि, उन्होंने कहा कि महिलाओं के बैंक खातों में जमा धनराशि वापस नहीं ली जाएगी।

पवार ने कहा, जब इस योजना की शुरुआत की गई थी, तो सरकार ने अपील की थी कि केवल पात्र महिलाएं ही आवेदन करें, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसकी जांच की जा रही है। केवल जरूरतमंद महिलाओं को ही मासिक सहायता राशि मिलेगी। पवार के इस गलती की बात स्वीकार करने के बाद शिवसेना (उबाठा) सांसद संजय राउत ने उनके इस्तीफे की मांग की। राउत ने आरोप लगाया कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता पवार के नेतृत्व वाले वित्त विभाग ने वोटों की खातिर सरकारी धन की लूट को बढ़ावा दिया।

मुख्यमंत्री माजी लाडकी बहिन योजना 17 अगस्त 2024 को शुरू की गई थी, जिसका लक्ष्य 21 से 65 साल की आयु की उन महिलाओं को सहायता प्रदान करना है, जिनकी अधिकतम वार्षिक आय 2.5 लाख रुपए से कम है। आवेदकों को सितंबर महीने से लाभ मिलना शुरू हो गया था।

इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को 1,500 रुपए की मासिक सहायता राशि दी जाती है। माना जाता है कि इस योजना ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति गठबंधन की जीत में अहम भूमिका निभाई। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने हाल ही में 2,289 सरकारी कर्मचारियों की पहचान की, जिन्होंने गरीब महिलाओं के लिए बनाई गई इस योजना का लाभ उठाया था।

मारुति ने छोटी कारों के बाजार को बचाने के लिए सरकार से समर्थन मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने सोमवार को देश में छोटी कारों की बिक्री को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहनों की मांग की। कंपनी का कहना है कि छोटी कारों का दाम ऊंचा होने की वजह से इस खंड में धीरे-धीरे गिरावट देखी जा रही है।

कभी भारतीय यात्री वाहन बाजार में छोटी कारों का दबदबा था। आज कुल यात्री वाहन बाजार में इस खंड की हिस्सेदारी घटकर 30 प्रतिशत से भी कम रह गई है।

पांच लाख रुपए से कम कीमत वाली प्रवेश स्तर की कारें जो वित्त वर्ष 2015-16 में लगभग 10 लाख इकाई (9,34,538 यूनिट) हुआ करती थीं, 2024-25 में यह घटकर सिर्फ 25,402 इकाई रह गई हैं।

मारुति सुजुकी के ऑल्टो और एस-प्रेसो जैसे मॉडल की बिक्री मई में घटकर 6,776 इकाई रह गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 9,902 इकाई रही थी। यहां तक कि बलेनो, सेलेरियो, डिजायर, इग्निस, स्विफ्ट और वैगनआर सहित कॉम्पैक्ट कारों की बिक्री भी मई, 2025 में घटकर 61,502 इकाई रह गई जो पिछले साल इसी महीने 68,206 इकाई की हुई थी।

बनर्जी ने कहा कि कुछ प्रोत्साहनों की आवश्यकता है ताकि जो ग्राहक कार खरीदने में सक्षम नहीं है वे आ सकें और दोपहिया वाहन से चार पहिया वाहन की जा सकें

मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन और बिक्री) पार्थो बनर्जी ने एक ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बढ़े हुए विनियमन के साथ, छोटी कार मॉडलों की कीमतों में काफी वृद्धि हुई है, जिसका असर उन खरीदारों पर पड़ा है जो दोपहिया वाहनों से प्रवेश स्तर की कारों तक जाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ''इसलिए कहीं न कहीं सरकार को यह समझना होगा कि अगर वे वाहन उद्योग को गति देना चाहते हैं, तो उन्हें यह समझने की जरूरत है कि समस्या कहां है और छोटी कारों की बिक्री का आकार कैसे बढ़ाया जाए।'' उन्होंने कहा, ''कुछ प्रोत्साहनों की आवश्यकता है ताकि जो ग्राहक कार खरीदने में सक्षम नहीं है, वे आ सकें और दोपहिया वाहन से चार पहिया वाहन की ओर जा सकें।''

मुख्यमंत्री स्टालिन ने स्कूलों में पाठ्यपुस्तकों और नोटबुक का वितरण शुरू किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने सोमवार को सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के छात्रों के बीच शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए पाठ्यपुस्तकों, नोटबुक, पोशाक और स्टेशनरी वितरित किए जाने के मकसद से आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत की। गर्मियों की लंबी छुट्टी के बाद आज (सोमवार) को स्कूल फिर से खुल गए हैं। स्कूल शिक्षा विभाग ने सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में छठी से 12वीं कक्षा तक के छात्रों के लिए सप्ताह में एक बार विद्वान तिरुवल्लुवर द्वारा रचित तमिल ग्रंथ थिरुक्कुरल पर आधारित नैतिकता की कक्षाएं आयोजित करना अनिवार्य कर दिया है। यहां जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि 311 करोड़ रुपये की लागत से लगभग 4.3 करोड़ पाठ्यपुस्तकें, 457 करोड़ रुपये की लागत से 1.3 करोड़ पोशाक, 162 करोड़ रुपये की लागत से लगभग 9.6 करोड़ नोटबुक और 211 करोड़ रुपये की लागत से अन्य सामग्री विद्यार्थियों के बीच वितरित की जाएगी।

स्टालिन ने यहां लेडी विलिंगटन गवर्नमेंट मॉडल गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल' में इन सामग्री के वितरण कार्यक्रम का आरंभ करने के बाद छात्राओं के साथ संक्षिप्त बातचीत की। इस कार्यक्रम के दौरान राज्य के मंत्री पी. के. शेखर बाबू, स्कूल शिक्षा मंत्री अंबिल महेश पोय्यामोझी, स्थानीय मेयर आर. प्रिया, तमिलनाडु पाठ्यपुस्तक और शैक्षिक सेवा निगम के अध्यक्ष डिंडीगुल आई लियोनी और कई सरकारी अधिकारी मौजूद थे।

मेट्रो पर बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में सोमवार को सचिवालय में चेन्नई मेट्रो रेल सेंट्रल टॉवर भवन के डिजाइन पर एक परामर्श बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के नेतृत्व में हुई। इस बैठक में मुख्य सचिव ना. मुरुगनन्थम, आई.ए.बी., अतिरिक्त मुख्य सचिव, विशेष पहल विभाग डॉ. के. गोपाल, आई.ए.बी., चेन्नई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक एम.ए. सिद्दीकी, आई,ए, और उच्च सरकारी अधिकारी उपस्थित थे।

एससीटीआईएमएसटी ने व्यावसायीकरण के लिए छह अग्रणी चिकित्सा प्रौद्योगिकी हस्तांतरित कीं

तिरुवनंतपुरम/भाषा। श्री चित्रा तिरुनल चिकित्सा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (एससीटीआईएमएसटी) ने छह नयी चिकित्सा प्रौद्योगिकियों का अनावरण किया है और उन्हें व्यावसायीकरण के लिए विभिन्न कंपनियों को हस्तांतरित कर दिया है। संस्थान ने यहां जारी एक बयान में कहा कि उसने अपनी 'डीप ब्रेन स्टिमुलेटर' प्रौद्योगिकी मेसर्स श्री पेसट्रोनिक्स लिमिटेड, मध्य प्रदेश को हस्तांतरित कर दी है। इसके अलावा संस्थान ने चिकित्सा जगत से जुड़ी पांच अन्य प्रौद्योगिकियां भी व्यावसायीकरण के लिए विभिन्न संस्थानों को हस्तांतरित की हैं। एससीटीआईएमएसटी के पास वर्तमान में 248 भारतीय पेटेंट, 28 विदेशी पेटेंट और 84 डिजाइइन पंजीकरण हैं।

नीलांबुर विधानसभा उपचुनाव : चार प्रमुख उम्मीदवार आमने-सामने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मलप्पुरम। नीलांबुर विधानसभा उपचुनाव के लिए सोमवार को तीन उम्मीदवारों द्वारा नामांकन दाखिल करने के बाद मुकाबला रोचक हो गया है और अब चार प्रमुख उम्मीदवार आमने-सामने हैं। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नेता एवं वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) उम्मीदवार एम स्वराज ने समर्थकों के एक समूह के साथ अपना नामांकन दाखिल किया। उनके साथ माकपा पोलित ब्यूरो सदस्य ए विजयराघवन, मंत्री वी अब्दुरहीमान और अन्य वामपंथी नेता भी थे। इस बीच, तृणमूल कांग्रेस के राज्य समन्वयक पी.वी अनवर ने उपचुनाव लड़ने का ऐलान करते हुए रोड शो निकालने के बाद अपना नामांकन दाखिल किया।

कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) द्वारा खारिज किए जाने के बाद अनवर ने एक नया राजनीतिक गठबंधन 'जनाकिया प्रतिपक्ष प्रतिरोध मुन्नानी' (जेपीपीएम) का ऐलान करने के बाद अपना नामांकन दाखिल किया। अनवर ने दावा किया कि आम आदमी पार्टी (आप) गठबंधन में शामिल होगी। हालांकि, 'आप' ने आधिकारिक तौर पर अनवर को समर्थन देने की घोषणा नहीं की है, लेकिन इसके कार्यकर्ता नेहरू टोपी पहने और पार्टी के झंडे लहराते हुए तृणमूल नेता के प्रति समर्थन जताने के लिए तालुक कार्यालय के बाहर इकट्ठा हुए।

भाजपा नेता वकील मोहन जॉर्ज ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की ओर से अपना नामांकन दाखिल किया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर और शोभा सुरेंद्रन और भारत धर्म जन सेना (बीडीजेएस) प्रमुख तुषार वेल्लापल्ली सहित अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे। यूडीएफ उम्मीदवार आर्यदान शौकत ने 31 मई को अपना नामांकन दाखिल किया था। मतदान 19 जून को होगा।

विनफास्ट का तमिलनाडु में निवेश ईवी प्रोत्साहन योजना में लाभ का पात्र नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। वियतनाम की इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माता विनफास्ट का तमिलनाडु में किया जा रहा दो अरब डॉलर (16,000 करोड़ रुपये) का निवेश भारत में इलेक्ट्रिक यात्री कारों के विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजना के तहत लाभ पाने के लिए पात्र नहीं होगा। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि इस योजना के तहत पात्र निवेश को अनुमोदन की तारीख के बाद आवेदक के बही-खाते में पूंजीकृत किया जाना चाहिए। इस तरह उपकरण और मशीनरी का इस्तेमाल भी अनुमोदित आवेदक बनने के बाद किया जाना चाहिए।

इस योजना के तहत आवेदन की खिड़की कुछ सप्ताह में 120 दिन या उससे अधिक समय के लिए खोली जाएगी। विनग्रुप की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कंपनी विनफास्ट तमिलनाडु के तूतुकुड़ी में दो अरब डॉलर के निवेश के एक संयंत्र लगा रही है। वह भारत में अपने परिचालन का विस्तार करने के लिए आंध्र प्रदेश और तेलंगाना सरकार के साथ भी चर्चा कर रही है।

वियतनाम की कंपनी इस साल त्योहारी सीजन से पहले भारत में अपने वीएफ7 और वीएफ6 मॉडल को उतारने की योजना बना रही है। वह आने वाले वर्षों में देश में वार्षिक उत्पादन को बढ़ाकर 1.50 लाख ईवी करने का लक्ष्य रखती है ताकि उन्हें दूसरे देशों में निर्यात किया जा सके। एक अधिकारी ने इस बारे में पूछे जाने पर पीटीआई-भाषा से कहा, ''विनफास्ट ने पहले ही निवेश को संपत्ति के रूप में दर्ज कर लिया है, लिहाजा वे इस निवेश पर योजना के तहत लाभ पाने के लिए पात्र नहीं होंगे। उन्हें योजना के तहत पात्रता हासिल करने के लिए 4,150 करोड़ रुपये का नया निवेश करना होगा।'' इसके साथ ही अधिकारी ने कहा कि विनफास्ट पहले किए गए निवेश पर विचार करने का आग्रह कर रही है जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

भारत में इलेक्ट्रिक यात्री कारों के विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजना के तहत सोमवार को दिशानिर्देश जारी किए गए। इसके मुताबिक, स्वीकृत आवेदकों को आवेदन स्वीकृत होने की तारीख से पांच साल के लिए 15 प्रतिशत के कम सीमा शुल्क पर न्यूनतम 35,000 अमेरिकी डॉलर मूल्य के साथ पूरी तरह तैयार इलेक्ट्रिक वाहनों का आयात करने की अनुमति होगी। स्वीकृत आवेदकों को योजना के प्रावधानों के अनुरूप न्यूनतम 4,150 करोड़ रुपये का निवेश करना होगा। भारत में इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों के विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजना 15 मार्च, 2024 को अधिसूचित की गई थी।

डीएमडीके हमारे गठबंधन में शामिल रहेगी : अन्नाद्रमुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) ने अटकलों पर विराम लगाते हुए घोषणा की है कि देसिया मुरपोक्कु द्रविड़ कषगम (डीएमडीके) तमिलनाडु में उसके नेतृत्व वाले गठबंधन का हिस्सा बनी रहेगी। अन्नाद्रमुक ने यह भी कहा है कि डीएमडीके को वर्ष 2026 में राज्यसभा की एक सीट दी जाएगी। डीएमडीके अन्नाद्रमुक से मांग कर रही है कि उसे अब एक राज्यसभा सीट आवंटित की जाए जैसा कि 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे की बातचीत के दौरान सहमति हुई थी। हालांकि, अन्नाद्रमुक प्रमुख ई. के. पलानीस्वामी ने कभी ऐसा वादा किए जाने की पुष्टि नहीं की। इस बीच, तमिलनाडु की मुख्य विपक्षी पार्टी अन्नाद्रमुक ने रविवार को 19 जून को होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए दो उम्मीदवारों की घोषणा की।

पलानीस्वामी ने पार्टी की अधिवक्ता इकाई के सचिव और पूर्व विधायक आई एस इंबादुरई और अन्नाद्रमुक के चेंगलपेट-पूर्व जिला पार्टी प्रेसीडियम चेयरमैन एवं पूर्व विधायक एम. धनपाल को चुनाव के लिए उम्मीदवार घोषित किया। पाट्टाली मक्कल कॉची (पीएमके) नेता अंबुमणि रामदॉस और मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एमडीएमके) नेता वाइको सहित

तमिलनाडु से छह मौजूदा राज्यसभा सदस्यों का कार्यकाल आगामी 24 जुलाई को समाप्त हो रहा है। राज्य में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) विधानसभा में पार्टी एवं सहयोगी दलों के संख्याबल के आधार पर इन छह में से चार सीट आसानी से जीत सकती है जबकि अन्नाद्रमुक को भाजपा सहित अपने अन्य सहयोगियों की मदद से दो सीट मिल सकती है। द्रमुक ने पहले ही तीन उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है और सहयोगी मक्कल नीधि मैयम को एक सीट आवंटित की है। मक्कल नीधि मैयम ने अपने संस्थापक कमल हासन को उम्मीदवार बनाया है। द्रमुक ने संसद के उच्च सदन में अपने वर्तमान सदस्य वरिष्ठ अधिवक्ता पी विल्सन को पुनः अपना उम्मीदवार बनाया है तथा सलेम के अपने नेता एस आर शिवलिंगम और कवि, लेखक एवं पार्टी पदाधिकारी रुकय्या मलिक उर्फ कविगनर सलमा को भी उम्मीदवार बनाया है।

द्रमुक के तीन, अन्नाद्रमुक के दो और हासन सहित सभी छह उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो सकते हैं और मुकाबला होने की संभावना नजर नहीं आती।

धन्यवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन का सोमवार को कैंप कार्यालय में मदुरै के पूर्व मेयर एस मुथु के बेटे करुणानिधि मुथु और उनकी पोती मीरा करुणानिधि ने स्वागत किया मुलाकात की। उन्होंने मदुरै के पहले मेयर एस मुथ्थु पुनर्निर्मित प्रतिमा का उद्घाटन करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन सोमवार को सचिवालय में थे, जहां उन्हें केंद्र और राज्य सरकारों के बीच संबंधों को सुधारने और राज्य के अधिकारों को बहाल करने के लिए आवश्यक सलाह और सिफारिशें प्रदान करने के लिए तमिलनाडु सरकार द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। कुरियन जोसेफ, भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति, अशोक वर्धन शेट्टी, आई.ए.सी., (सेवानिवृत्त) और तमिलनाडु राज्य योजना आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष एम. नागनाथन ने मुलाकात की और बात की। बैठक के दौरान मुख्य सचिव एन. मुरुगनन्थम, आई.ए.सी., सामान्य विभाग सचिव श्रीमती रीता हरीश ठक्कर, आई.ए.सी. तथा वरिष्ठ सरकारी अधिकारी उपस्थित थे।

दक्षिण कन्नड़ में कथित भड़काऊ भाषण को लेकर आरएसएस नेता के खिलाफ मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के एक नेता के खिलाफ सांप्रदायिक तनाव भड़काने वाला भड़काऊ भाषण देने के आरोप में सोमवार को प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस का कहना है कि इस भाषण से सांप्रदायिक तनाव भड़क सकता था और सार्वजनिक शांति भंग हो सकती थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी के. प्रभाकर भट ने 12 मई को एक हिंदूवादी कार्यकर्ता और कुख्यात बदमाश शुहास शेट्टी की याद में आयोजित शोकसभा के दौरान यह कथित भाषण दिया था। शेट्टी की एक मई को मंगलूरु में हत्या कर दी गई थी।

पुलिस के एक बयान के अनुसार, यह कार्यक्रम बंटवाल ग्रामीण पुलिस थाने के अंतर्गत कवलपाडुर गांव के मडवा पैलेस कन्वेंशन हॉल' में आयोजित किया गया था। पुलिस ने कहा कि इस कार्यक्रम में लगभग 500 लोग मौजूद थे और भट ने इस कार्यक्रम में कथित तौर पर भड़काऊ भाषण दिया जिससे सार्वजनिक सौहार्द बिगड़ सकता था और समुदायों के बीच दुश्मनी बढ़ सकती थी।

पुलिस ने बताया कि भट के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और कानूनी कार्रवाई की जा रही है। भट को इस क्षेत्र में बहुत सम्मानित व्यक्ति माना जाता है और उनके खिलाफ पहले कोई अन्य आपराधिक मामला दर्ज नहीं हुआ है। यह घटना दक्षिण कन्नड़ जिले में सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील माहौल को देखते हुए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। पुलिस प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

केरल : अनवर ने पीडब्ल्यूडी मंत्री रियास पर लगाए गंभीर आरोप, सबूत सार्वजनिक करने की दी धमकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मलप्पुरम/भाषा। तृणमूल कांग्रेस की केरल इकाई के संयोजक पी वी अनवर ने सोमवार को राज्य के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री पी ए मोहम्मद रियास पर गंभीर आरोप लगाए और उनके खिलाफ सबूत सार्वजनिक करने की धमकी दी। अनवर ने एक दिन पहले ही नीलांबुर सीट पर 19 जून को होने वाला उपचुनाव लड़ने की घोषणा की थी। दो बार के विधायक ने मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन के दामाद रियास पर उनका (अनवर का) चरित्र हनन करने का आरोप लगाया। नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले यहां पत्रकारों से बात करते हुए अनवर ने आरोप लगाया कि विपक्षी नेता वी डी सतीशन, यूडीएफ उम्मीदवार ए. शौकत और रियास का गठजोड़ उनके खिलाफ दुष्प्रचार कर रहा है।

अनवर ने दावा किया कि उनके पास कई मामलों में इन लोगों के खिलाफ ठोस सबूत हैं। उन्होंने नीलांबुर बाजार में एक टेलीविजन लगाकर इन सबूतों को सार्वजनिक करने की धमकी दी। अनवर ने कहा कि वह सबूतों के आधार पर बोल रहे हैं और अगर इन नेताओं ने उनके खिलाफ दुष्प्रचार जारी रखा तो वह सबूतों को सार्वजनिक कर देंगे।

अनवर ने दावा किया कि अगर उन्होंने सबूत सार्वजनिक कर दिये तो ये नेता निर्वाचन क्षेत्र में पैर भी नहीं रख पाएंगे। रियास का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए, अनवर ने कहा कि पीडब्ल्यूडी मंत्री ही उनके खिलाफ चलाए जा रहे कथित चरित्र हनन अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। केरल सरकार, माकपा या रियास ने अनवर के बयान पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

अन्ना विश्वविद्यालय यौन उत्पीड़न मामले में दोषी को आजीवन कारावास की सजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई की एक महिला अदालत ने पिछले साल दिसंबर में अन्ना विश्वविद्यालय परिसर में एक छात्रा का यौन उत्पीड़न करने के मामले में दोषी करार दिए गए ज्ञानशेखरन को सोमवार को बिना किसी छूट के न्यूनतम 30 साल तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई। महिला अदालत की न्यायाधीश एम. राजलक्ष्मी ने 28 मई को ज्ञानशेखरन को मामले में दोषी ठहराया था। न्यायाधीश ने अभियोजन पक्ष द्वारा उसके खिलाफ साबित किए गए प्रत्येक 11 आरोपों के संबंध में सजा सुनाई। न्यायाधीश ने कहा कि सजाएं एक साथ चलेंगी।

ज्ञानशेखरन को दोषी ठहराते हुए अदालत ने माना कि दिसंबर 2024 में तमिलनाडु को झकझोर देने वाले इस यौन उत्पीड़न के मामले को अभियोजन पक्ष ने साबित किया और संदेह की कोई गुंजाइश नहीं है। सरकारी वकील ने तब संवाददाताओं को बताया कि अभियोजन पक्ष ने ज्ञानशेखरन के खिलाफ 11 आरोप दाखिल किए और दस्तावेजी एवं फोरेंसिक साक्ष्यों का उपयोग करके सभी आरोपों को साबित कर दिया।

न्यायाधीश ने ज्ञानशेखरन को दोषी ठहराते हुए कहा कि उसने यह दावा किया था कि वह परिवार में कमाने वाला एकमात्र व्यक्ति है और इसके आधार पर उसने अदालत से सजा में नरमी बरतने का अनुरोध किया था। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के साथ आरोपी व्यक्ति के कथित संबंधों को लेकर तमिलनाडु में इस सनसनीखेज मामले के कारण राजनीतिक विवाद पैदा हो गया था। हालांकि पार्टी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने जनवरी में कहा था कि ज्ञानशेखरन द्रमुक का सदस्य नहीं था, वह केवल पार्टी के प्रति झुकाव रखता था और इसका समर्थक था। मामला तब प्रकाश में आया जब पीड़िता ने पिछले साल 23 दिसंबर को कोट्टूरपुरम के अखिल महिला थाने में शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि जब वह अपने पुरुष मित्र के साथ थी, तब ज्ञानशेखरन ने उसे धमकाया और फिर उसका यौन उत्पीड़न किया। बाद में ज्ञानशेखरन को गिरफ्तार कर लिया गया। मामले की प्राथमिकी तमिलनाडु पुलिस की अपराध एवं अपराधी निगरानी नेटवर्क एवं प्रणाली (सीसीटीएनएस) वेबसाइट से डाउनलोड की गई और मीडिया के कुछ वर्गों द्वारा प्रसारित की गई, जिससे हंगामा मच गया। बाद में मद्रास उच्च न्यायालय ने मामले की जांच एक विशेष जांच दल को सौंप दी, जिसने प्राथमिकी लीक होने की भी जांच की। एसआईटी ने फरवरी में मजिस्ट्रेट अदालत में आरोप पत्र दायर किया। इसके बाद मामला महिला अदालत को सौंप दिया गया।

महिला अदालत ने ज्ञानशेखरन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप तय किए, जिनमें यौन उत्पीड़न, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) अधिनियम और तमिलनाडु महिला उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम शामिल हैं।

पूर्व छात्रा का यौन उत्पीड़न किए जाने के आरोप में सहायक प्रोफेसर गिरफ्तार

कुड्डालोर। अन्नामलाई विश्वविद्यालय के एक सहायक प्रोफेसर को पूर्व छात्रा का यौन उत्पीड़न करने और उसके निजी वीडियो प्रसारित करने की धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि नमक्कल जिला निवासी पीड़िता 2018-19 के दौरान अन्नामलाई विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर की छात्रा थी। पूर्व छात्रा ने पुलिस अधीक्षक (एसपी) एस. जयकुमार के समक्ष शिकायत दर्ज कराई कि जब वह विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रही थी उस समय सहायक प्रोफेसर जे. राजा (55) ने उसका यौन उत्पीड़न किया।

पुलिस में दर्ज शिकायत में पूर्व छात्रा ने कहा कि चिदंबरम निवासी राजा ने उसका निजी वीडियो बनाकर कुछ महिने पहले उसे धमकी दी। इसके बाद एसपी ने अन्नामलाई नगर पुलिस को मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) टी. अगस्टिन जोशुआ लामेच समेत निरीक्षक तमिलारसी और के. आंबेडकर की टीम ने जांच की, जिसके बाद पुलिस ने राजा के खिलाफ मामला दर्ज किया और 31 मई को उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उसे न्यायिक हिरासत पर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

कर्नाटक सरकार ने 'गृह आरोग्य योजना' का राज्यव्यापी विस्तार किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक सरकार ने सोमवार को 'गृह आरोग्य योजना' के राज्यव्यापी विस्तार की घोषणा की, जिसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों को 14 गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की जांच और उपचार की सुविधा प्रदान की जाएगी। शुरुआत में पायलट परियोजना के तौर पर 24 अक्टूबर, 2024 को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कोलार जिले में इस योजना को शुरू किया था। योजना के तहत, स्वास्थ्य दलों ने प्रमुख गैर-संचारी रोगों का पता लगाने के लिए घर-घर जाकर स्वास्थ्य जांच की। अधिकारियों ने बताया कि इसकी सफलता के बाद, आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए इस योजना को कर्नाटक के सभी जिलों में विस्तारित किया जाएगा। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने एक बयान में कहा, शुरुआत में 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों में प्रमुख एनसीडी के लिए जांच की गई, जिसमें मधुमेह, उच्च रक्तचाप, कैंसर जैसी बीमारियां शामिल हैं। अब चूंकि गृह आरोग्य योजना' का राज्य भर में विस्तार किया जाएगा, कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताओं में 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए 14 एनसीडी के लिए मुफ्त जांच शामिल होगी। पिछले साल एक जिले में इस योजना की शुरुआत का जिक्र करते हुए स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव ने कहा, ''हम इसे सभी जिलों तक ले जाना चाहते थे, लेकिन कार्यक्रम में संशोधनों के कारण हमें इसमें कुछ और समय लग गया है। पहले हम केवल छह गैर-संचारी रोगों को ही शामिल कर रहे थे... लेकिन, अब इसमें 14 गैर-संचारी रोग शामिल किए गए हैं...जिनकी इस योजना के तहत जांच की जा सकती है।''

गेमिंग ऐप में पांच लाख रुपये हारने के बाद पति-पत्नी ने की आत्महत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के कोटा जिले में कथित रूप से ऑनलाइन जुए में करीब पांच लाख रुपये हार जाने के बाद एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी संग आत्महत्या कर ली। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि सोमवार सुबह जिले के खेड़ा रामपुर गांव में दीपक राठौर और उसकी पत्नी राजेश राठौर घर में फांसी से लटके पाये गये। पुलिस का कहना है कि बताया जा रहा है कि दंपत्ति ने रविवार रात स्थानीय बाजार से नायलॉन की रस्सी खरीदी और खाना खाने के बाद फांसी लगा ली। पुलिस उपाधीक्षक राजेश ढाका ने बताया कि सोमवार सुबह जब दीपक के पिता ने दीपक के कमरे का दरवाजा खटखटाया तो कोई जवाब नहीं मिला और फिर दरवाजा तोड़ने पर दोनों अंदर फांसी पर लटके मिले।

पुलिस ने कहा कि कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। दीपक के परिवार के सदस्यों के अनुसार, हाल में ऑनलाइन जुआ खेलते हुए वह करीब पांच लाख रुपये गंवा बैठा था और उदास था। परिवार के सदस्यों के मुताबिक कुछ दिन पहले दीपक ने अपनी पत्नी की बड़ी बहन से फोन पर बात की थी और उसे अपनी परेशानी बताई थी तथा कहा था कि उसके पास आत्महत्या करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है। तब उसकी पत्नी की बड़ी बहन ने उसे कोई भी अतिवादी कदम न उठाने की सलाह दी थी और मदद का आश्वासन दिया था। इस बीच पुलिस उपाधीक्षक ने कहा कि कथित आत्महत्या की वजह को लेकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी गयी है। उन्होंने कहा कि दोनों शव पोस्टमार्टम के बाद परिवार के सदस्यों को सौंप दिये गये हैं।

देशभक्ति, बलिदान और शिक्षा के मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हनुमानगढ़। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने देशभक्ति, बलिदान और शिक्षा के मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की जरूरत बताते हुए कहा है कि नौजवानों को पढ़ूंगा तो देश के लिए, जिऊंगा तो देश के लिए का प्रण लेना चाहिए। देवनानी सोमवार को हनुमानगढ़ के नोहर में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आजादी हमें बनी-बनाई नहीं मिली, यह असंख्य वीरों के बलिदान और संघर्ष का परिणाम है। उन्होंने कहा कि हेमू कालानी जैसे युवाओं ने अंग्रेजों के सामने घुटने टेकने के बजाय फांसी को गले लगाया। कोई भी बलिदानी किसी एक समाज का नहीं होता, वह पूरे राष्ट्र का होता है।

उन्होंने कहा कि सिंधी समाज ने देश के विभाजन के समय सब कुछ छोड़कर देश के कोने-कोने में खुद को स्थापित किया और सम्मानजनक जीवन जिया। उन्होंने बताया कि शिक्षा मंत्री रहते हुए उन्होंने हेमू कालानी के पाठ को कक्षा 9वीं और 11वीं के पाठ्यक्रम में शामिल कराया, जिसे आज 20 लाख छात्र पढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह देश आक्रांताओं को महान नहीं, महाराणा प्रताप जैसे महापुरुषों को महान मानता है। इस दौरान उन्होंने सिंधी बाजार स्थित हेमू कालानी चौक का लोकार्पण करते हुए हेमू कालानी मूर्ति का अनावरण किया। इस पर मौजूद आमजन ने भारत माता की जय के नारे लगाए। इस दौरान उन्हें नोहर के भारत माता आश्रम और अमर लाल साहब मंदिर में आयोजित कार्यक्रमों में भी हिस्सा लिया।

इससे पूर्व विधानसभा अध्यक्ष का रावतसर स्थित बीजेपी के एससी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल के घर पर सेकंडों कार्यकर्ताओं ने अभिनंदन किया। देवनानी ने कहा कि भारत को कमजोर करने की साजिशें चल रही हैं, परंतु यह 2014 के बाद का भारत है, जो हर चुनौती का मुंहतोड़ जवाब देने को तैयार है। उन्होंने पहलगाम हमले का उल्लेख करते हुए कहा कि वीर सैनिकों ने 100 किलोमीटर पाकिस्तान के भीतर घुसकर आतंकवादियों के ठिकाने ध्वस्त किए। देवनानी ने कहा कि हर नौजवान को यह प्रण लेना चाहिएपढ़ूंगा तो देश के लिए, जिऊंगा तो देश के लिए। उन्होंने अजमेर के फॉय सागर का नाम बदलकर वरुण सागर, और एडवर्ड म्यूजियम का नाम बदलकर महर्षि दयानंद सरस्वती संग्रहालय किए जाने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जब तक राष्ट्रगान में 'पंजाब, सिंध, गुजरात, मराठा' हैं, तब तक सिंध हमारा रहेगा। मोदी के नेतृत्व में अखंड भारत बनेगा। भारत विश्वगुरु था, विश्वगुरु है और विश्वगुरु रहेगा।

राष्ट्र के विकास के लिए शिक्षा बेहद अहम, बढ़ाएं शिक्षा का स्तर : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भीलवाड़ा। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने राष्ट्र के विकास के लिए शिक्षा को बेहद अहम बताते हुए कहा है कि शिक्षा का स्तर और बढ़ाने के लिए जिन विद्यालयों में नामांकन कम है वहां शिक्षा के प्रति परिवारजनों को जागरुक कर नामांकन बढ़ाया जाना चाहिए। बागड़े सोमवार को दो दिवसीय भीलवाड़ा दौरे के दौरान कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्तरीय बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गरीब वंचित वर्ग के उत्थान के लिए विभागीय अधिकारी हमेशा कटिबद्ध रहे। जिले के अंतिम छोर तक बैठे प्रत्येक वंचित एवं पात्र व्यक्ति को विकास कार्यक्रमों व योजनाओं से लाभान्वित करें। राज्यपाल ने केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं एवं वंचित वर्ग के सामाजिक एवं आर्थिक रूप से उत्थान के लिए प्रगतिरत कार्यक्रमों की समीक्षा की।

बागड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत वंचित रहे शेष पात्र लोगों को आवास हेतु ऋण स्वीकृत कराए साथ ही गर्मी के मौसम में तापमान को कम करने के लिए हरियालो राजस्थान अभियान के तहत तय लक्ष्यों के अनुरूप पौधे लगाए एवं पूर्व में लगाए गए पौधों में से वर्तमान में जीवित पौधे कितने उनका रेंडम सर्वे कराया जाए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने वाली सड़कों की जानकारी ली एवं निर्देशित किया कि वर्तमान में डामरीकरण से शेष रही सड़कों को सांसद/विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास योजना या अन्य मद से बजट उपलब्ध करवाकर आगामी समय में सड़के बनाई जाए ताकि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को परिवहन में आसानी हो।

उन्होंने जल जीवन मिशन योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी शत प्रतिशत हर घर जल कनेक्शन करना सुनिश्चित करें। बागड़े ने शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि राष्ट्र के विकास के लिए शिक्षा बेहद अहम है। शिक्षा का स्तर ओर भी ज्यादा बढ़ाया जाए इसके लिए जिन विद्यालयों में नामांकन कम है वहां शिक्षा के प्रति परिवारजनों को जागरुक कर नामांकन बढ़ाएं।

उन्होंने कृषकों, दुग्ध उत्पादकों, स्ट्रीट वेंडर, श्रमिकों सहित अन्य को केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से अब तक वंचित रहे पात्र लोगों को जल्द लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने चिकित्सा, शिक्षा, ग्रामीण विकास, विद्युत वितरण, पेयजल सहित महत्वपूर्ण विभागों की जिले में प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जिले के समस्त आमजन को योजनाओं का लाभ मिले। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाएं गांव गरीब लोगों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है इसमें तेजी से प्रगति लाना सुनिश्चित करें। बागड़े ने कहा कि प्रत्येक ग्राम में नल एवं विद्युत कनेक्शन की आपूर्ति हो। कोई भी व्यक्ति इन मूलभूत सुविधाओं से वंचित न रहे इसके लिए मूलभूत सुविधाओं का विस्तार करना सुनिश्चित करें।

सेवानिवृत्त एएसआई के बेटे की गोली मारकर हत्या

जयपुर। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में एक सेवानिवृत्त सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) के बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने सोमवार को बताया कि एक होटल में कुछ हथियारबंद लोगों ने 33 वर्षीय युवक पर गोलियां चलाईं। पुलिस ने बताया कि बजरी खनन को लेकर पुराना विवाद इस हत्या का कारण हो सकता है। यह घटना रविवार रात कोतवाली थाना क्षेत्र के सेमलपुरा चौराहे के पास एक होटल पर हुई। पुलिस के मुताबिक, निम्बाहेड़ा का रहने वाला पीड़ित अजयराज सिंह झाला अपने तीन दोस्तों के साथ होटल में खाना खा रहा था।

पुलिस के अनुसार, करीब 25 हमलावर सात वाहनों में सवार होकर आए और होटल को घेर लिया। उनमें से कुछ ने अपने चेहरे तौलिए या साफे से ढक रखे थे। हमलावरों ने कई गोलियां चलाईं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरिता सिंह ने कहा, दोनों पक्षों के बीच विवाद की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि गोलीबारी की घटना में शामिल आरोपियों की तलाश के लिए कई पुलिस टीम गठित की गई हैं। उन्होंने बताया कि अजयराज को गोली लगी और वह मौके पर ही गिर पड़ा। पुलिस ने बताया कि हमलावरों में से दो की पहचान कुख्यात अपराधी भैरूलाल गुर्जर और डिग्गी राज सिंह के रूप में हुई है। उसने बताया कि हमलावरों ने कथित तौर पर अजयराज को घसीटा और होटल की पहली मंजिल से फेंक दिया।

पशुपालन मंत्री ने किया लंपी रोग प्रतिरोधक टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पशुपालन, गोपालन और देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संवेदनशील मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार पशुओं के कल्याण के प्रति समर्पित होकर काम कर रही है। कुमावत सोमवार को सांगानेर स्थित पिंजरापोल गोशाला से लंपी रोग से बचाव के लिए राज्य स्तरीय टीकाकरण अभियान के शुभारंभ के अवसर पर बोल रहे थे। इस अवसर पर कुमावत ने कहा कि लंपी रोग पशुओं के लिए एक जानलेवा रोग है जो संक्रामक भी है।

इससे मुख्य रूप से गोवंश प्रभावित होते हैं और पशुपालकों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ता है। प्रदेश दो साल पहले इस रोग का दंश झेल चुका है। इसलिए सरकार अब इस रोग से बचाव के लिए सक्रिय होकर कार्य कर रही है। सरकार ने लंपी रोग को नियंत्रित करने के लिए कई कदम उठाए हैं जिनमें से टीकाकरण और जागरूकता अभियान मुख्य हैं। टीकाकरण इस रोग से बचाव का एक प्रमुख हथियार है इसलिए राज्य सरकार ने पशुओं के टीकाकरण पर जोर दिया है और आज से प्रदेश में दो महीने का टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है जिससे रोग के प्रसार को समय रहते रोका जा सके। इसके अलावा सरकार ग्रामीण इलाकों में जागरूकता अभियान चलाकर पशुपालकों को लंपी रोग के बारे में जानकारी भी उपलब्ध करा रही है।

कुमावत ने कहा कि पिछले वर्ष भी दो माह के टीकाकरण अभियान के तहत राज्य की लगभग 95 प्रतिशत गौवंश का टीकाकरण किया गया था जिससे रोग को समय रहते नियंत्रित कर लिया गया था और गौवंश की हानि लगभग नही के बराबर हुई थी। वर्ष 2025-26 में 1 करोड़ 11 लाख 57 हजार गौवंशीय पशुओं के टीकाकरण का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि लंपी रोग प्रतिरोधक टीकाकरण मानसून पूर्व सम्पादित किया जाना है ताकि समय पूर्व आवश्यक हर्ड इम्यूनिटी प्राप्त की जा सके।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए कुमावत ने विभाग की सराहना करते हुए कहा कि इस रोग के सर्वेक्षण, निदान और नियंत्रण के लिए आवश्यक तैयारियां तथा जिला एवं ब्लॉक स्तर पर टीकाकरण के लिए माइक्रोलेवल प्लानिंग तैयार करने के लिए विभाग द्वारा पूर्व में ही दिशानिर्देश जारी किए जा चुके हैं और जिले की माइक्रोलेवल कार्ययोजना के अनुरूप संस्थाओं को उनके कार्य क्षेत्र में अवस्थित गौवंश पशुओं की संख्या के अनुसार टीकाकरण के लक्ष्य आवंटित किए गए हैं।

प्रारंभ में कुमावत ने गौवंश की पूजा कर उन्हें चारा खिलाया तथा गौशाला का निरीक्षण किया। उन्होंने टीकाकरण दल को टीके का कैरियर भेंट किया। मौके पर ही दल के सदस्यों ने गौवंश का टीकाकरण किया। इस अवसर पर पशुपालन विभाग के निदेशक और आरएलडीबी के कार्यकारी अधिकारी डॉ आनंद सेजरा, पिंजरापोल गौशाला के महामंत्री शिवरतन चितलांगिया, मंत्री विवेक लड्ढा पशुपालन विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ सुरेश मीना, डॉ.विकास शर्मा तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी सहित गौशाला के कार्मिक उपस्थित थे।

बालश्रम उन्मूलन के लिए ग्रामीण विकास संस्थान में आयोजित हुई संवाद प्रशिक्षण कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। बाल अधिकारिता राज्यमंत्री डॉ. मंजू बाघमार की के मुख्य आतिथ्य में बाल अधिकारिता विभाग एवं राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा विश्व बालश्रम निषेध दिवस (12 जून) के उपलक्ष्य में सोमवार (02 जून 2025) को जयपुर के जेएलएन मार्ग स्थित इन्दिरा गांधी पंचायतीराज एंव ग्रामीण विकास संस्थान में संवाद मय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के अन्तर्गत बाल एंव किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) 1986 संशोधित नियम 2017 के प्रभावी क्रियान्वयन, कार्यवाही एंव जागरूकता के संबंध में प्रशिक्षण सत्र आयोजित किये गए। बाल अधिकारिता राज्यमंत्री डॉ. मंजू बाघमार ने उक्त संवाद मय प्रशिक्षण कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार 2030 तक बाल श्रम मुक्त राजस्थान बनाने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि माता पिता के खराब स्वास्थ्य, गरीबी और अशिक्षा के कारण बच्चों को बाल श्रम करने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

बाल अधिकारिता राज्यमंत्री ने कहा कि बाल श्रम करने वाले बच्चों का रेस्क्यू करके उनकी काउंसलिंग की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बाल श्रम करने वाले बच्चों की बेहतर काउंसलिंग कर उन्हें शिक्षा के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। उनको संस्कारों के प्रति जागरूक किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा को सुनिश्चित करके ही बाल श्रम की रोकथाम बेहतर तरीके से की जा सकती है। उन्होंने कहा बच्चों में शिक्षा के दौरान ही स्किल का विकास करके ही उनके उज्वल भविष्य के निर्माण में हम मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि संड़क किनारे कोई गरीब आदमी सामान बेचता हो तो उसे खरीदे ताकि उस गरीब व्यक्ति की मदद हो सके और उसके मासूम बच्चों को बाल मजदूरी न करनी पड़े।

डॉ. मंजू बाघमार ने इस अवसर पर बाल श्रम मुक्त राजस्थान के पोस्टर की लांचिग की और सभी उपस्थित जनों को बाल श्रम उन्मूलन की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि हम सब इस कार्यशाला से एक संकल्प लेकर जाए कि बाल श्रम करने वाले बच्चों को बाल श्रम से बचाने के लिए अपना सौ फीसदी प्रयास करेंगे। इसके साथ शिक्षा के लिए उनका सही मार्ग दर्शन कर उनके जीवन को बेहततर बनाने में अपना योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि जिस तरह सब लोगों को खेलते कूदते मुस्कुराते खिलखिलाते गुनगुनाते बचपन की यादें अभिभूत कर देती हैं। वैसे ही बाल श्रम करने वालों को बाल श्रम करने से मुक्ति दिलाकर हमें उनका जीवन का भी खिलखिला मुस्कुराता और स्कूल जाने वाला बनाने के लिए अपना योगदान देना होगा।

इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव बाल अधिकारिता विभाग श्री कुलदीप रांका ने अपने सम्बोधन में कहा कि बच्चे हमारा इतिहास भी है और भविष्य भी हैं। उन्होंने कहा प्रत्येक माँ बाप अपने बचपन की कल्पना की उड़ान को अपने बच्चों में भी अनुभव करते हैं। वे उन्हें बेहतर शिक्षा के साथ ही अच्छा जीवन देने का सम्पूर्ण प्रयास करते हैं। किन्तु कुछ माता पिता अपने खराब स्वास्थ्य गरीबी या ऐसी ही कोई अन्य मजबूरी होने के कारण अपने बचपन की कल्पना की उड़ान को परवान नहीं चढ़ा पाते हैं। ऐसे माता पिता के बच्चें मजबूरी में बाल श्रम करने लगते हैं। उन्होंने कहा कि गरीबी एक बहुत बड़ा अभिशाप है। उन्होंने कहा कि दुनिया के 61 प्रतिशत बाल श्रमिक एशिया में हैं,इसी प्रकार दुनिया के 31 प्रतिशत बाल श्रमिक अफ्रिका में हैं, लगभग 7 प्रतिशत बाल श्रमिक लैटिन अमेरिका में हैं।

कोटपुतली में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने अधिकारियों से मांगा काम का ब्यौरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटपूतली। कोटपूतली-बहरोड़ जिले में सोमवार को केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का पहला दौरा बेहद सख्त और स्पष्ट संदेशों के साथ शुरू हुआ। जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में उन्होंने अधिकारियों को दो टूक शब्दों में चेतावनी दी कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही, देरी या ढिलाई अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कोटपूतली पहुंचने पर केंद्रीय मंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद उन्होंने सीधे बैठक में अधिकारियों से विभागवार योजनाओं की प्रगति और जमीनी हकीकत का फीडबैक लिया। इस बैठक में जिले की चारों विधायक भी उपस्थित रहे।

भूपेंद्र यादव ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्पष्ट विजन है कि सरकार की हर योजना अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। कोई योजना कागज़ों में नहीं, ज़मीन पर दिखनी चाहिए। जनता को सीधा लाभ मिले, यही सरकार की प्राथमिकता है। कोई भी अधिकारी यह न भूले कि वह जनता की सेवा के लिए नियुक्त है, न कि फाइलों में उलझाने के लिए। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, पेयजल, सड़क और महिला सशक्तिकरण जैसी मूलभूत योजनाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि दिशा समिति केवल एक औपचारिक बैठक नहीं है, बल्कि यह जनता के प्रति जवाबदेही तय करने का एक सशक्त मंच है। उन्होंने अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट का ब्योरा मांगा और जहां लापरवाही या गति में कमी दिखी, वहां फटकार लगाने में भी पीछे नहीं हटे। भूपेंद्र यादव ने यह भी साफ किया कि अब योजनाओं की प्रगति सिर्फ़ रिपोर्टिंग से नहीं मापी जाएगी, बल्कि जमीनी हकीकत से तय होगी कि किस अधिकारी ने कितनी गंभीरता से काम किया है।

राजस्थान में कई जगह हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश

जयपुर। राजस्थान के अनेक इलाकों में बीते चौबीस घंटे में हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश दर्ज की गई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, सोमवार से राज्य में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। सोमवार क्भ सुबह तक बीते चौबीस घंटे में कहीं कहीं पर हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। सर्वाधिक वर्षा खुशालगढ़ (बांसवाड़ा) में 37 मिलीमीटर दर्ज की गई। इस दौरान राज्य में सर्वाधिक अधिकतम तापमान श्रीगंगानगर में 41.9 डिग्री सेल्सियस रहा। विभाग के अनुसार, आज यानी दो जून से फिर एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से आंधी बारिश की गतिविधियां बढ़ने की संभावना है। दो से पांच जून के दौरान बीकानेर, जोधपुर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर, कोटा व उदयपुर संभाग में दोपहर बाद तेज बादल गरजने, 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे के रफ्तार से आंधी चलने तथा बारिश होने का अनुमान है।

ब्रह्माकुमारी संस्थान के मेडिकल विभाग के तत्वावधान में तंबाकू मुक्ति रैली का आयोजन

सिरोही/दक्षिण भारत। ब्रह्माकुमारी संस्थान के मेडिकल प्रभाग के तत्वावधान में आबूरोड एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में रविवार को तंबाकू मुक्ति का संदेश देने के उद्देश्य से बाइक रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में लगभग 200 बाइक सवारों ने भाग लिया। रैली के प्रतिभागी हाथों में तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों से संबंधित संदेश लिखी तख्तियां लेकर चल रहे थे और आमजन से तंबाकू से दूर रहने की अपील कर रहे थे। यह रैली ब्रह्माकुमारीज संस्थान के शांतिवन परिसर से प्रारंभ होकर आमथला, मुदरला, नागपुरा एवं अचपुरा गांवों से होती हुई किवरली स्थित मानसरोवर पहुंचकर सम्पन्न हुई। रैली के माध्यम से ग्रामीणों को तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही, लोगों से यह आग्रह किया गया कि वे स्वयं तो इनसे दूर रहें ही, दूसरों को भी इसके दुष्प्रभावों से अवगत कराएं। रैली में विज्ञान एवं अभियंता प्रभाग के अध्यक्ष बीके मोहन सिंघल, बीके कोमल, बीके सत्येन्द्र, बीके अमरदीप एवं बीके भानू विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने उपस्थित लोगों को नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई।

रैली से पूर्व शांतिवन परिसर में एक जागरूकता समारोह आयोजित किया गया। इसमें ब्रह्माकुमारीज संस्थान के अतिरिक्त महासचिव बीके करुणा ने संबोधित करते हुए कहा कि तंबाकू हर आयु वर्ग के लोगों के लिए घातक है चाहे बच्चा हो, युवा हो या वृद्ध। यह शरीर के साथ-साथ मन और आत्मा को भी प्रभावित करता है।

हिमंत विश्व शर्मा ने लखीमपुर के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया

लोगों को दीर्घकालिक राहत उपायों का आश्वासन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को लखीमपुर जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों, खासकर उन जगहों का दौरा किया जो अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी हिस्से में रंगनदी बांध से छोड़े गए पानी से जलमग्न हो गए हैं।

शर्मा ने बाढ़ प्रभावित लोगों से मुलाकात की और उन्हें इस मुद्दे के समाधान के लिए दीर्घकालिक उपायों का आश्वासन दिया। उन्होंने बांध का रखरखाव करने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम एनईईपीसीओ के अधिकारियों के साथ भी चर्चा की। स्थानीय निवासियों से मिलने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए शर्मा ने कहा कि अमटोला इलाके में पचनोई नदी का तटबंध टूट गया है, जिससे कई गांवों को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, हमने स्थिति का विश्लेषण किया है और हमें बताया गया है कि अगर पानी को पास के झरने के माध्यम से मोड़ा जा सकता है, तो लोगों को कुछ तत्काल राहत दी जा सकती है। हम इस पर काम करेंगे और फिलहाल टूटे हुए तटबंध को ठीक करने का काम भी शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि तटबंध की स्थायी मरम्मत का काम मानसून के बाद सितंबर से शुरू किया जाएगा। शर्मा ने प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया और जिला अधिकारियों को इसकी निगरानी करने का निर्देश दिया।

इससे पहले दिन में एनईईपीसीओ के अधिकारियों के साथ बैठक के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा, हम जांच करेंगे और अगर हमें पता चलता है कि किसी की गलती है, तो उन्हें जवाबदेह बनाया जाएगा। उन्होंने कहा, यदि एनईईपीसीओ का बांध नहीं होता, तो पानी सीधे नीचे बह जाता। वे बांध में एक निश्चित स्तर तक पानी को सुरक्षित रखते हैं और फिर उसे छोड़ देते हैं। मैंने उनसे कहा कि यदि आप भारी मात्रा में पानी सुरक्षित रखते हैं और उसे एक साथ छोड़ देते हैं, तो यह एक प्रकार का 'वॉटर बम' बन जाता है।

शर्मा ने कहा, हम उनके साथ इस पर अधिक गंभीरता से चर्चा करेंगे और समाधान खोजने का प्रयास करेंगे। उन्होंने राज्य के उत्तरी भाग में एनईईपीसीओ बांध के निचले इलाकों में पिछले कुछ वर्षों में बार-बार बाढ़ आने का जिक्र किया। राज्य के 17 से अधिक जिलों में लगभग चार लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं, बाढ़ और भूस्खलन से अब तक 10 लोगों की जान जा चुकी है।

असम में भाजपा नीत सरकार के 'भ्रष्टाचार' को उजागर करेंगे : गोगोई

नगांव (असम)/भाषा। कांग्रेस की असम इकाई के नवनियुक्त अध्यक्ष गौरव गोगोई ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य में भाजपा नीत सरकार के कथित भ्रष्टाचार को उजागर करेगी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बरकरार रखते हुए लोकतंत्र की रक्षा करेगी। गोगोई ने जनसंपर्क यात्रा के अंतिम दिन के कार्यक्रम की शुरुआत नगांव जिले में महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की पवित्र जन्मस्थली बाताद्रवा थान के दर्शन के साथ की। उनके साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे।

कांग्रेस नेता ने कहा कि असम के प्रत्येक नागरिक की भलाई के लिए प्रार्थना की गई। प्रस्तावित विपक्षी गठबंधन के बारे में पूछे जाने पर गोगोई ने कहा असम में कांग्रेस के संगठन को मजबूत करने की जरूरत है। कांग्रेस नेता ने कहा, ''हम राज्य में वर्तमान भाजपा नीत असम सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर किए जा रहे भ्रष्टाचार को उजागर करेंगे। हम जनविरोधी कृत्यों के खिलाफ मजबूती से लड़ेंगे।'' कांग्रेस ''असम पत्रकारों पर वर्तमान भाजपा नीत सरकार के कथित अत्याचारों'' के स्थान पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और स्वतंत्र पत्रकारिता को कायम रखते हुए लोकतंत्र की रक्षा करेगी।

बिहार में कृषि विकास की अपार संभावनाएं : चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोतिहारी (बिहार)/भाषा। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कहा कि बिहार में कृषि विकास की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लिए कृषि का विकास होना जरूरी है और किसानों की समृद्धि भी होनी चाहिए।

शिवराज सिंह चौहान ने यह बात सोमवार को पूर्वी चंपारण जिले के जिला मुख्यालय मोतिहारी में कही। उन्होंने वीकेएसए अभियान के तहत देशव्यापी दौरे के तहत किसानों से बातचीत की।

उन्होंने कहा, ''मैं बिहार में किसानों की सेवा करने और उन्हें सहयोग देने तथा कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए आया हूं। मेरे लिए किसानों की सेवा करना भगवान की पूजा करने के समान है... ' एक रास्ता, एक कृषि, एक टीम' इस अभियान का संकल्प है।''

उन्होंने कहा, ''केंद्र सरकार का विकसित कृषि संकल्प अभियान (वीकेएसए) भारतीय कृषि को बदलने के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक पहल है। विकसित भारत के लिए, कृषि का विकास होना चाहिए और किसानों को भी समृद्ध होना चाहिए.....बिहार में कृषि विकास की अपार संभावनाएं हैं.....और वीकेएसए अभियान राज्य के कृषि बदलाव को गति देगा और नवाचार, बुनियादी ढांचे और संस्थागत समर्थन तक अधिक पहुंच के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाएगा।''

अपराध और अपराधियों को 'कतई बर्दाश्त नहीं करने' की नीति जारी रखेंगे : डीजीपी राजीव कृष्ण

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के नव नियुक्त कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण ने सोमवार को सरकार की प्राथमिकता को विशेष महत्व देते हुए कहा कि अपराध और अपराधियों को 'कतई बर्दाश्त नहीं करने' की नीति नए जोश के साथ जारी रखी जाएगी। राजीव कृष्ण ने कार्यभार संभालने के ठीक दो दिन बाद यहां अपने पहले संवाददाता सम्मेलन में कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध और साइबर अपराध को रोकने पर विशेष ध्यान है।

वर्ष 1991 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी राजीव कृष्ण ने शनिवार को उप्र पुलिस मुख्यालय में अपने पूर्ववर्ती प्रशांत कुमार से औपचारिक रूप से कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर आभार जताया और भरोसा दिया कि वह राज्य सरकार की प्राथमिकताओं (अपराध और भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं करना, महिला सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की उत्कृष्टता) को पूरी निष्ठा के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के रूप में अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में कृष्ण ने दुनिया के सबसे बड़े पुलिस बल का नेतृत्व करने के लिए उन पर भरोसा जताने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया। उन्होंने राज्य में पुलिस व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए एक व्यापक 10 सूत्री एजेंडे पर जोर दिया। कृष्ण ने कहा, यह एक बड़ी जिम्मेदारी है और मैं उत्तर प्रदेश पुलिस को उत्कृष्टता की अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

ओडिशा: सुरक्षा बलों ने 2.5 टन से अधिक विस्फोटक सामग्री बरामद की, माओवादियों ने की थी लूट

भुवनेश्वर/भाषा। सुरक्षा बलों ने ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में माओवादियों द्वारा लूटी गई 2.5 टन से अधिक विस्फोटक सामग्री सोमवार को बरामद कर ली। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि राज्य के विशेष अभियान समूह (एसओजी), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), झारखंड के विशिष्ट 'जगुआर' बल और सुंदरगढ़ के जिला स्वैच्छिक बल (डीवीएफ) के सुरक्षाकर्मियों ने ओडिशा-झारखंड सीमा पर एक संयुक्त अभियान के दौरान 2.5 टन से अधिक विस्फोटक बरामद किया जिसे 27 मई को सुंदरगढ़ जिले के के. बलांग इलाके से माओवादियों ने लूट लिया था। अभियान में शामिल अधिकारी ने कहा, कुछ विस्फोटकों को जमीन के नीचे दबा दिया गया था, जबकि कुछ अन्य चट्टानों के नीचे छुपायी गई हो सकती है। उन्होंने कहा कि माओवादियों द्वारा विस्फोटक लूटे जाने के एक दिन बाद 28 मई से तलाशी अभियान जारी था। उन्होंने बताया कि माओवादियों ने विस्फोटक उस समय लूट लिया था जब उसे पत्थर की खदान ले जाया जा रहा था।

चिराग बोले, पार्टी को मजबूती मिलने की सूरत में मैं बिहार विधानसभा का चुनाव लड़ूंगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने सोमवार को कहा कि अगर उनकी उम्मीदवारी से उनकी पार्टी की स्थिति और मजबूत होती है तब वह निश्चित रूप से आगामी बिहार विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे।

वह एक क्षेत्रीय समाचार चैनल के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रायपुर पहुंचने के बाद यहां के स्वामी विवेकानंद हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से बात कर रहे थे। बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने के बारे में पूछे जाने पर पासवान ने कहा, मैं पहले ही कह चुका हूं कि मैं खुद को लंबे समय तक केंद्र की राजनीति में नहीं देखता हूं। राजनीति में आने का कारण बिहार और बिहारी (बिहार के लोग) हैं। मेरा अपना विजन है- 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट।' ऐसे में मैं चाहता हूं कि मेरा राज्य बिहार विकसित राज्यों के बराबर खड़ा हो।'' उन्होंने कहा कि तीसरी बार सांसद बनने के बाद उन्हें एहसास हुआ कि दिल्ली में रहकर (बिहार के लिए काम करना) संभव नहीं हो सकता है। पासवान ने कहा कि उन्होंने पार्टी के सामने अपनी यह इच्छा जताई है कि वह जल्द ही बिहार लौटना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ''अगर पार्टी चाहेगी, यानी पार्टी इस बात का मूल्यांकन कर रही है कि क्या मेरे अभी चुनाव लड़ने से उसे फायदा होगा। कई बार ऐसा देखा गया है कि जब राष्ट्रीय स्तर के नेता राज्य का चुनाव लड़ते हैं, तब पार्टी को इसका फायदा मिलता है। भाजपा ने कई बार यह रणनीति आजमाई है, जब उन्होंने अपने सांसदों को विधानसभा चुनाव में उतारा और इसका फायदा उठाया।''

विकास के मुद्दों से ध्यान भटकाना भाजपा की राजनीति की पहचान है : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने असम और पूर्वोत्तर के कुछ अन्य राज्यों में बाढ़ और भूस्खलन को लेकर सोमवार को चिंता जताई और आरोप लगाया कि विकास के बुनियादी मुद्दों से भावनात्मक और ध्रुवीकरण वाले विषयों की ओर ध्यान भटकाना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राजनीति की पहचान है। असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है और राज्य की 10 प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं तथा 15 से अधिक जिलों में लगभग चार लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, पूर्वोत्तर विनाशकारी बाढ़, भूस्खलन और भारी बारिश से जूझ रहा है। असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, सिक्किम और मेघालय सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में से हैं, जहां कई लोगों की जान चली गई है और लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। उन्होंने आह्वान किया कि कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को लोगों की सहायता के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए। खरगे ने दावा किया, 2016 में भाजपा ने 'बाढ़ मुक्त' असम बनाने का वादा किया था। 2022 में गृह मंत्री अमित शाह ने यह वादा दोहराया। तथाकथित 'स्मार्ट सिटी' गुवाहाटी के दृश्यों को देखकर याद आता है कि कैसे (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी जी और उनकी डबल इंजन सरकार ने असम को धोखा दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास के बुनियादी मुद्दों से भावनात्मक और ध्रुवीकरण वाले विषयों की ओर ध्यान भटकाना भाजपा की राजनीति की पहचान रही है। खरगे ने कहा कि मोदी सरकार को बाढ़ की तैयारियों के लिए पूर्वोत्तर के सभी राज्यों, विशेषकर असम को अधिक धनराशि जारी करनी चाहिए। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, पूर्वोत्तर राज्यों, विशेषकर असम और अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश से हुई जनहानि की खबर अत्यंत दुखद है। इस त्रासदी के कारण गुवाहाटी में हालात बेहद चिंताजनक हैं - जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है।

गिरफ्तार 'इन्फ्लुएंसर' के वकील ने दायर की याचिका

जेल में बुनियादी सुविधाएं नहीं मिलने का लगाया आरोप

कोलकाता/भाषा। सांप्रदायिक टिप्पणियों वाला वीडियो अपलोड करने के आरोप में गिरफ्तार 22 वर्षीय एक महिला 'इन्फ्लुएंसर' के वकील ने सोमवार को यहां अलीपुर अदालत में एक याचिका दायर कर आरोप लगाया कि उनकी मुवक्किल को जेल में बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है। वकील मोहम्मद समीमुद्दीन ने बताया कि अदालत ने इस संबंध में चार जून तक रिपोर्ट मांगी है।

समीमुद्दीन ने कहा, ''अलीपुर महिला सुधार गृह के अंदर उचित साफ-सफाई नहीं रखी जाती। मेरी मुवक्किल को बुनियादी सुविधाएं भी नहीं दी जा रही हैं। उसे गुर्दे से जुड़ी समस्या है और वह ठीक महसूस नहीं कर रही है। हमने याचिका दायर की है और अदालत ने चार जून तक रिपोर्ट मांगी है।'' कोलकाता पुलिस ने हरियाणा के गुरुग्राम से शर्मिष्ठा पनोली को सांप्रदायिक टिप्पणियों वाला एक वीडियो अपलोड करने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

मेरठ में किसान के घर से निकले सैकड़ों सांप, वन विभाग ने शुरू की जांच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेरठ (उत्तर प्रदेश)/भाषा। मेरठ जनपद के दौराला क्षेत्र स्थित समौली गांव में एक किसान के घर के आंगन से अचानक सैंकड़ों सांप निकलने लगे। घटना से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया और डर के मारे किसान ने परिजनों और गांव वालों के साथ मिलकर 50 से अधिक सांपों को मारकर गड्ढे में दबा दिया।

वन विभाग के प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) राजेश कुमार ने सोमवार को 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि एक वीडियो वायरल होने के बाद विभागीय टीम को मौके पर जांच के लिए भेजा गया है। उन्होंने कहा कि सांपों को मारने और बिना सूचना दिए जमीन में दबा देने की बात सामने आई है। उन्होंने कहा कि सांप वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के अंतर्गत संरक्षित जीव हैं और किसी भी प्रकार की कार्रवाई से पूर्व वन विभाग को सूचित किया जाना आवश्यक है। डीएफओ ने बताया, वीडियो देखने पर प्रतीत होता है कि सांपों को मारा गया और उन्हें गड्ढे में दबाया गया। प्रारंभिक जांच के अनुसार ये पानी में पाए जाने वाले गैर-विषैले सांप हैं, जो सामान्यतः नालियों आदि में रहते हैं। विभागीय टीम मौके पर है और ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है। गांव निवासी किसान महफूज सैफी ने बताया कि रविवार रात वह सोने की तैयारी कर रहे थे, तभी उन्हें अपने आंगन में एक सांप दिखाई दिया जिसे उन्होंने मार दिया। इसके कुछ ही देर में वहां एक के बाद एक कर सांप निकलने लगे। उन्होंने बताया कि परिजनों और गांव वालों की मदद से उन्होंने लगभग 50 सांपों को मारकर एक गड्ढे में दबा दिया। घटना की जानकारी जंगल में आग की तरह गांव में फैल गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। सांप किसान के दरवाजे के पास बने रैंप के नीचे से निकल रहे थे।

इन्फ्लुएंसर की गिरफ्तारी

भाजपा ने ममता सरकार पर हमला तेज किया, 'राज्य प्रायोजित दमन' करार दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी को लेकर पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ अपना हमला सोमवार को तेज करते हुए इस कार्रवाई को ''राज्य प्रायोजित दमन'' तथा उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का ''उल्लंघन'' करार दिया। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने इस मुद्दे पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा और उन्हें निर्दयी कहा।

कोलकाता निवासी एवं पुणे के विधि विवि में पढ़ने वाली शर्मिष्ठा को इंस्टाग्राम पर वीडियो कथित तौर पर अपलोड करने के लिए 30 मई रात हरियाणा गुरुग्राम से गिरफ्तार किया था। उक्त वीडियो में कथित तौर पर सांप्रदायिक टिप्पणी की गई थी और दावा किया था कि बॉलीवुड अभिनेता ऑपरेशन सिंदूर पर चुप थे। बाद में उन्हें कोलकाता की एक अदालत में पेश किया गया, जिसने इन्फ्लूएंसर को 13 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पनोली की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए भाटिया ने पोस्ट किया, ''शर्मनाक! ममता बनर्जी की पुलिस कोलकाता से 1,500 किलोमीटर का सफर तय करके सिर्फ इसलिए कानून की छात्रा शर्मिष्ठा पनोली को गिरफ्तार करने पहुंची क्योंकि उसने राय रखी थी, जिसके लिए उसने सार्वजनिक माफ़ी भी मांग ली थी!

अरुणाचल प्रदेश में बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या 10 हुई

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के लोहित जिले में एक और व्यक्ति की मौत होने के साथ ही राज्य में भूस्खलन तथा बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। सोमवार को भी राज्य में लगातार मानसून की बारिश हुई। यह जानकारी अधिकारियों ने दी।

राज्य आपातकालीन अभियान केंद्र (एसईओसी) के अनुसार, 23 जिलों में 156 गांवों के 938 लोग मानसून की बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। अपर डिगारू में सूखा नाले में आई बाढ़ में बहे गुम्माजीत भराली का शव लोहित जिले के लासा पानी क्षेत्र में बरामद किया गया। राज्यपाल के टी परनाइक ने जनहानि पर गहरा दुख व्यक्त किया और शोकसंतप्त परिवारों के प्रति संवेदना जताई है। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने का आग्रह किया, संवेदनशील और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में। प्रशासन से सतर्क रहने का आह्वान करते हुए राज्यपाल ने जोखिम भरे क्षेत्रों में रात्रि के समय आवागमन प्रतिबंधित करने के महत्व पर बल दिया तथा लोगों को सुरक्षित रखने के लिए सक्रिय संपर्क की वकालत की।

कोहली ने आरसीबी को 18 साल दिए हैं, हमें उनके लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा : पाटीदार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरू (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने कहा कि विराट कोहली ने अपने सीनियर क्रिकेट करियर के 18 साल टीम को दिए हैं और वह बखूबी जानते हैं कि देश के महान क्रिकेटरों में शुमार इस स्टार बल्लेबाज के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का खिताब जीतना कितना मायने रखता है। आरसीबी ने इससे पहले 2009, 2011 और 2016 में तीन फाइनल खेले हैं जिसमें प्रत्येक में उसे हार का सामना करना पड़ा है। कोहली के शानदार प्रदर्शन के बावजूद टीम खिताब का सूखा खत्म नहीं कर पाई।

पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ आईपीएल की पूर्व संध्या पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान यह पूछे जाने पर कि क्या 'कोहली फैक्टर' हावी रहेगा तो पाटीदार ने कहा, ''बिलकुल। मुझे लगता है कि उन्होंने आरसीबी और अंतरराष्ट्रीय टीम को भी बहुत साल दिए हैं। हम फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। '' यह पूछने पर कि क्या

सिर्फ एक ही खिलाड़ी पर ध्यान देना हताशाजनक है जबकि आरसीबी टूर्नामेंट की सबसे प्रभावशाली टीमों से एक है तो पाटीदार ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि यह मेरे लिए निराशाजनक है। '' उन्होंने कहा, ''हम इस बात पर ध्यान नहीं दे रहे हैं कि हम फाइनल में हैं। हम अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलने की कोशिश करेंगे। मैं हमेशा चीजों को सरल रखना पसंद करता हूं। '''कोहली फैक्टर' निश्चित रूप से आरसीबी के लिए मजबूत पक्ष है जिसने हमेशा दर्शकों का समर्थन दिलाया है, भले ही टीम घरेलू मैदान से बाहर खेल रही हो और पाटीदार ने भी कहा कि इसकी बदौलत उन्हें महसूस होता है कि वे अपने घरेलू मैदान में ही खेल रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हम जहां भी जाते हैं, पिछले कुछ वर्षों से दर्शकों के समर्थन और प्यार को देखकर हमें लगता है कि यह हमारे लिए घरेलू मैदान है। '' आरसीबी हालांकि 'बिग हिटर' टिम डेविड की उपलब्धता को लेकर चिंतित है जो 'हैमस्ट्रिंग' चोट के कारण पिछले दो मैच में नहीं खेले थे। पाटीदार ने कहा, ''अभी तक हमें टिम डेविड के बारे में नहीं पता है। डॉक्टर मौजूद हैं और हमें आज शाम ही पता चलेगा। '' पाटीदार के लिए खुद यह बड़ी चुनौती होगी क्योंकि उन्हें टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही आरसीबी का कप्तान नियुक्त किया गया था जबकि प्रतिद्वंद्वी टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर अपनी पूर्व फ्रेंचाइजी केकेआर को पिछले साल आईपीएल खिताब दिला चुके हैं।

भाजपा सरकार बेटियों के साथ नहीं, अपराधियों को बचाने में लगी है : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बिहार और कुछ अन्य राज्यों में महिला विरोधी अपराध की हालिया घटनाओं का हवाला देते हुए सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार बेटियों के साथ नहीं खड़ी है, बल्कि अपराधियों को बचाने में लगी है।

पार्टी की महिला इकाई की अध्यक्ष अलका लांबा ने सवाल किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'मन की बात' करते हैं, लेकिन महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के बारे में कब बोलेंगे? अलका लांबा ने संवाददाताओं से कहा,''बिहार में कुशासन-काल चल रहा है। मुजफ्फरपुर में नाबालिग दलित बेटी का बलात्कार होता है, लेकिन फिर सरकार, प्रशासन, पुलिस और अस्पताल ने क्या किया? सवाल सिर्फ इस एक बच्ची का नहीं है, लाखों बच्चियां इस सरकारी सिस्टम का शिकार हो रही हैं।'' उन्होंने दावा किया कि बिहार में मात्र 15 दिन के अंदर कई बच्चियों के साथ हैवानियत हुई है।

अलका ने कहा, ''बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का कुशासन काल चल रहा है, इसलिए जवाबदेही भी उनकी ही है। हमारी मांग है कि बिहार सरकार इन मामलों में जवाबदेही तय करे।'' उन्होंने देश में महिला विरोधी अपराधों से जुड़े मामलों की अदालती सुनवाई का ब्यौरा देते हुए कहा, ''2022 में 18,517 मामलों की सुनवाई पूरी हुई जिनमें 5,067 लोग दोषी करार दिए गए और 12,062 लोग बरी हो गए।''

सुविचार

प्रेम का गणित राधा-कृष्ण ने सिखाया, जहाँ बिना सवाल और जवाब के सब कुछ हल हो जाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेहरों पर शराफत, दिलों में ...?

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती का यह बयान कि 'जम्मू-कश्मीर को समझ, दोस्ती और सहयोग का पुल बनना चाहिए, युद्ध का अखाड़ा नहीं', उनकी एक नेक इच्छा तो हो सकती है, लेकिन वर्तमान में ऐसे शब्द कोई मायने नहीं रखते। खासकर तब, जब पहलगाम में हमारे देशवासियों पर इतना बड़ा आतंकी हमला हुआ। उसके जवाब में भारत ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया और उसने हमारे सैन्य प्रतिष्ठानों और आम नागरिकों पर हमला किया। भारत के सशस्त्र बलों की सतर्कता और वैज्ञानिक शक्ति के कारण पाकिस्तान के नापाक इरादे नाकाम हो गए। उसने तो तबाही मचाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी थी। जम्मू-कश्मीर भारत-पाक के बीच सहयोग का पुल कैसे हो सकता है, जब इस पड़ोसी देश ने अस्तित्व में आते ही उस पर हमला कर दिया था? हमारे कुछ नेताओं में शत्रुबोध का अभाव है, इसलिए वे ऐसे बयान देते हैं। हमें इस बात को समझने की जरूरत है कि भारत पर पाकिस्तान की ओर से बार-बार हो रहे आतंकी व सैन्य हमलों की वजह जम्मू-कश्मीर नहीं है। अगर इस केंद्रशासित प्रदेश को लेकर कोई विवाद न होता तो पाकिस्तान किसी दूसरे मुद्दे पर लड़ने को आमादा रहता। पाकिस्तान की ओर से किए जा रहे हमलों की वजह उसका 'दो क़ौमी नज़रिया' है, जो उसे भारत के साथ नफरत करने के लिए उकसाता है। अगर भारत सरकार बहुत उदारता दिखाते हुए पाकिस्तान की मौजूदा मांगें पूरी कर दे, तो भी वह कोई नया बखेड़ा पैदा करेगा। टीवी चैनलों और यूट्यूब चैनलों पर कुछ मासूम बुद्धिजीवी यह कहते मिल जाते हैं कि 'हम तो एक ही जैसे लोग हैं, बस कश्मीर का मुद्दा हल हो जाए, फिर कोई झगड़ा नहीं रहेगा', जो सरासर गलत है। हमसे झगड़ा मोल लेने के लिए पाकिस्तान सैकड़ों वजह पैदा कर सकता है।

महबूबा मुफ्ती द्वारा जम्मू-कश्मीर की तुलना 'दो लड़ते हाथियों के पैरों तले रौंदी गई घास' से करना भी समझ से परे है। इसे वोटबैंक की राजनीति कहा जाए या उनकी अनभिज्ञता? जम्मू-कश्मीर ने आतंकवाद का भयानक दौर देखा है। कश्मीरी पंडितों के साथ क्या हुआ था? क्या महबूबा मुफ्ती नहीं जानतीं? सिंधु जल संधि स्थगित किए जाने पर उनकी इस टिप्पणी में राजनीतिक परिपक्वता का अभाव झलकता है कि 'पाकिस्तान की सरकार के साथ हमारे राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन वहां के लोगों के साथ नहीं।' क्या भारत सरकार ने बेवजह इतना बड़ा फैसला ले लिया? क्या खून और पानी साथ-साथ बहते रहें और सरकार कोई सख्त कदम न उठाए? भारत ने पाकिस्तान की आम जनता का कभी अहित नहीं किया, बल्कि हमारे हिस्से का पानी भी उसे मिलता रहा। तीन बड़े युद्धों के बावजूद पानी बहता रहा। क्या पाकिस्तान की आम जनता ने कभी इसके लिए भारत को धन्यवाद कहा? क्या हमारे देश में हुए आतंकी हमलों के विरोध में वहां कोई जुलूस निकला? क्या पाकिस्तानी जनता कभी इस बात को लेकर अपनी फौज के खिलाफ मजबूती से खड़ी हुई कि दुश्मनी बंद करें, भारत से संबंध सुधारें? कभी नहीं, क्योंकि उसका ब्रेनवॉश हो चुका है। जब पहलगाम आतंकी हमले की खबर सोशल मीडिया पर आई तो पाकिस्तानियों की प्रतिक्रिया कैसी थी? उस पर बहुत लोग खुशी का इज़हार कर रहे थे। यह है पाकिस्तान की जनता! क्या 22 अप्रैल के बाद इस्लामाबाद, रावलपिंडी, लाहौर या कराची से एक व्यक्ति ने भी आवाज उठाई कि पहलगाम हमले के दोषियों को दंड मिलना चाहिए और आतंकवादियों के अड्डे बंद होने चाहिएं? भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाकर जिन आतंकवादियों का खात्मा किया, उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए सैन्य अधिकारियों के साथ कौन खड़ा था? इन आतंकवादियों को चंदा कौन देता रहा है? पाकिस्तानी जनता! चेहरों पर शराफत, दिलों में नफरत का खेल बहुत हो गया। अब पाकिस्तान के कर्मों का हिसाब होना ही चाहिए।

ट्वीटर टॉक

नारी हर ज़िम्मेदारी निभाने में निपुण है, चाहे वह राशन की हो या शासन की। आज राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय श्री जे.पी. नड्डा जी के सान्निध्य में आयोजित अमर वीरांगना अहिल्याबाई होलकर की त्रिशताब्दी जयंती के अवसर पर जयपुर के एंटरटेनमेंट पैराडाइज में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुई।

-वसुंधरा राजे

राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद श्री ओंकार सिंह जी लखावत की धर्मपत्नी श्रीमती रतन कंवर जी के निधन का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ है।

-भजनलाल शर्मा

दक्षिण कोरिया में आयोजित एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में 24 पदकर जीतकर भारत दूसरे स्थान पर रहा। इस प्रतियोगिता में देश का नाम रोशन करने वाले सभी खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

-वासुदेव देवनानी

प्रेरक प्रसंग

भाव की आराधना

एक बार वृंदावन में एक संत श्री बांके बिहारी जी के चरणों का दर्शन कर रहे थे। उनके होंठों पर एक मधुर भाव अनायास ही फूट पड़ा'श्री बिहारी जी के चरण कमल में नयन हमारे अटके, नयन हमारे अटके'। उसी समय वहां एक सामान्य भक्त भी खड़ा था। उस संत का प्रेममय गान उसके हृदय में उतर गया। घर पहुंचते ही वह भक्त, उसी भजन को गुनगुनाने लगा। उसने गा दिया'श्री बिहारी जी के नयन कमल में चरण हमारे अटके' शब्द उलट गए, पर प्रेम सीधा था। वह त्रुटि से अनभिज्ञ, उसी उलटे भाव को बार-बार गाता रहा। भाव की तीव्रता इतनी थी कि उसका रोम-रोम भक्ति में झूमने लगा। लेकिन प्रभु भाव के पारखी हैं। श्री बिहारी जी ने जब यह अनूठा, अनगढ़, किन्तु अत्यंत भावपूर्ण प्रेम देखा, तो वे स्वयं अपने धाम से उतरकर उस भक्त के समक्ष प्रकट हो गए। भक्त रो पड़ा, घबराते हुए बोला'प्रभु! मुझसे बड़ी भूल हो गई। मैंने आपके नयन कहकर अपने चरण वहां अटका दिए!' श्री बिहारी जी ने मंद मुस्कान के साथ कहा'अरे भैया! मेरे अनेक भक्त हैं, पर तेरे जैसा निराला प्रेमी दुर्लभ है। लोग अपने नयन मेरे चरणों में अटकाते हैं, पर तूने तो मेरे ही नयन अपने चरणों में अटका दिए! पर मैं शब्दों का नहीं, भावों का भूखा हूं।

सामयिक

पाकिस्तान के बारे में यह आम धारणा निर्मित हो चुकी है कि वह आतंकवाद को बढ़ावा देता है। इसके अलावा यहां पर आतंकवादी संगठनों को वित्त पोषित भी किया जाता है। विश्व के कई देश आतंकवाद को समाप्त करने के लिए आवाज उठा रहे हैं। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि जब तक आतंकवाद को वित्त पोषित किया जाता रहेगा, तब तक उसे समाप्त करना कठिन है।

आतंकवाद के वित्तपोषण पर रोक जरूरी

सुरेश हिंदुस्तानी

मोबाइल : 9770015780

आतंकवाद को आश्रय देने वाले देश पाकिस्तान की असलियत को उजागर करने के लिए भारत ने बहुत बड़े रणनीतिक स्तर पर कार्य किया है। एक तरफ जहां पाकिस्तान केवल तीन ऐसे मुस्लिम देशों का समर्थन प्राप्त करने में सफल रहा है, जो उसे पहले से ही समर्थन कर रहे थे। वहीं भारत ने इससे आगे बढ़कर वैश्विक समुदाय के समक्ष पाकिस्तान को आतंकियों को संरक्षण देने वाला देश बताने में कोई संकोच नहीं किया। भारत ने विश्व के तमाम देशों में अपने प्रतिनिधि मंडल भेजकर भारत का पक्ष रखकर यह बताने का प्रयास किया है कि आतंकी हमला पाकिस्तान की ओर से किया गया। इसके विपरीत भारत की ओर से केवल जवाबी कार्यवाही ही की गई है, जिसका भारत को पूरा अधिकार है। भारत के प्रतिनिधि मंडलों की ओर से इस सच को दुनिया को बताने का प्रयास किया जा रहा है कि भारत की ओर से पाकिस्तान पर हमला नहीं किया गया, बल्कि आतंकवाद पर प्रहार किया गया। इसी बात पर भारत को विश्व समुदाय का समर्थन भी मिल रहा है। सबसे ख़ास बात यह है पाकिस्तान में जहां अपनी ही सरकार विपक्ष के निशाने पर है, वहीं भारत सरकार ने अपनी कूटनीतिक चाल चलते हुए इन प्रतिनिधि मण्डलों में सत्ता पक्ष के नेताओं के साथ ही विपक्ष के कई प्रभावी नेताओं को शामिल किया है। यही नेता विश्व के देशों में भारत का पक्ष मजबूती से रख रहे हैं। इससे स्वाभाविक रूप से विश्व बिरादरी से पाकिस्तान पर अलग थलग होने का गंभीर खतरा भी उत्पन्न हो गया है। यह बात सही है कि पाकिस्तान में आश्रय और संरक्षण प्राप्त करने वाले आतंकी आकाओं को आतंकी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए वित्त पोषण प्राप्त होता रहा है। इसका आशय स्पष्ट है कि पाकिस्तान आतंक को समाप्त करने के लिए तैयार नहीं है। क्योंकि आतंकवादियों को जब तक वित्त पोषित कया जाता रहेगा, तब तक पाकिस्तान की ओर से आतंक फैलाने वालों पर अंकुश लगाने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसलिए आतंकवाद को समाप्त करने के लिए सबसे पहले उसके वित्त पोषण पर रोक लगाना बहुत जरूरी है।

यहां यह कहना बहुत आवश्यक है कि पाकिस्तान गिड़गिड़ाकर समर्थन पाने का प्रयास कर रहा है, वहीं भारत की ओर से पाकिस्तान को अलग थलग करने का ठोस प्रयास भी किया जा रहा है। जिसमें भारत का बहुत हद तक सफलता भी मिल रही है। आज के समय में पाकिस्तान इस बात को नकारने का साहस नहीं कर सकता कि उसके देश में आतंकवादी संगठन सक्रिय नहीं हैं। क्योंकि यह तथ्य विश्व के सामने उजागर हो चुका है। आज भी पाकिस्तान में लश्कर ए तैयबा, लश्कर ए ओमर, जैश ए मोहम्मद, हरकतुल मुजाहिद्दीन, सिपाह ए सहाबा, हिज़्बुल मुजाहिदीन आदि पाकिस्तान में रहकर अपनी आतंकी गतिविधियाँ चलाते हैं। कई मामलों में आईएसआई से इन्हें सक्रिय प्रशिक्षण एवं अन्य सहयोग भी मिलते हैं। इतना ही नहीं कई बार सेना और सरकार का भी खुला संरक्षण भी इनको मिलता रहा है। पाकिस्तान सरकार की मानें तो उसके यहां 20 से अधिक आतंकी संगठन सक्रिय हैं, जबकि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद इस संख्या को 150 से अधिक तक बताता है। वहीं, अमेरिकी स्टेट डिमार्टमेंट के मुताबिक यह संख्या 70 से अधिक है। वैश्विक समुदाय के दबाव में पाकिस्तान कई बार आतंकी समूहों के विरोध में कार्यवाही करने की बात करता है, लेकिन वहीं दूसरी ओर सेना और राज्य सरकारों की ओर से आतंकी संगठनों को खाद पानी प्राप्त होता रहता है। इससे पता चलता है कि पाकिस्तान में आतंकवाद की जड़ें बहुत ही गहरी हैं।

वैश्विक समुदाय को पाकिस्तान की वास्तविकता बताने के लिए भारत की ओर से ठोस रणनीति बनाकर कार्यवाही को अंजाम दिया जा रहा है। जहां पाकिस्तान सरकार को अपने ही देश के विपक्षी दलों के कोप का सामना करना पड़ रहा है, वहीं भारत सरकार के साथ विपक्ष के सांसदों ने पाकिस्तान की पोल खोलने के लिए सामूहिक वैश्विक अभियान चलाया है। इससे पाकिस्तान को यह डर सता रहा है कि कहीं पाकिस्तान एक बार फिर से ग्रे सूची में नहीं आ जाए। ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि पाकिस्तान की तसवीर यही चित्र प्रदर्शित कर रही है। आर्थिक बदहाली के दौर से गुजर रहे पाकिस्तान में अब इतना साहस नहीं है कि वह विश्व के आर्थिक प्रतिबंधों को झेल सके। इसमें पाकिस्तान में आतंरिक विरोधाभास आग में घी डालने का कार्य कर रहा है। ब्लूचिस्तान में पाकिस्तान से अलग होने के लिए चल रहे आंदोलन में और तेजी आई है। इतना ही नहीं बीएलए ने तो कई कदम आगे बढ़कर अपने आपको स्वतंत्र देश घोषित कर दिया है। ब्लूचिस्तान का यह कदम पाकिस्तान को बहुत कमजोर करने वाला है।

पाकिस्तान के बारे में यह आम धारणा निर्मित हो चुकी है कि वह आतंकवाद को बढ़ावा देता है। इसके अलावा यहां पर आतंकवादी संगठनों को वित्त पोषित भी किया जाता है। विश्व के कई देश आतंकवाद को समाप्त करने के लिए आवाज उठा रहे हैं। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि जब तक आतंकवाद को वित्त पोषित किया जाता रहेगा, तब तक उसे समाप्त करना कठिन है। इसलिए सबसे पहले आतंकवादी संगठनों के वित्त पोषण पर लगाम लगाने की आवश्यकता है।

नजरिया

आम आदमी की सवारी है साइकिल

रमेश सर्राफ धमोरा

मोबाइल : 9414255034

साइकिल मानव ऊर्जा को गतिशीलता में बदलने के लिए अब तक का सबसे कुशल साधन है। साइकिल का व्यापक रूप से परिवहन, मनोरंजन और खेल के लिए उपयोग किया जाता है साइकिलें उन क्षेत्रों में लोगों और सामान को ले जाने के लिए आवश्यक हैं जहां कम वाहन उपलब्ध हैं। साइकिल से वायु प्रदूषण को कम करने के साथ पूरे शरीर का व्यायाम हो जाता है। ऐसे में विश्व साइकिल दिवस का महत्व समाज के सभी लोगों के बीच साइकिल के इस्तेमाल को बढ़ावा देना और शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य कल्याण को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर साइकिल सवारी को प्रोत्साहित करना है।

3 जून 2018 को पहला विश्व साइकिल दिवस मनाया गया। तब से दुनिया में प्रतिवर्ष साइकिल दिवस मनाया जाने लगा है। इस बार हम सातवां विश्व साइकिल दिवस मना रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ ने परिवहन के सामान्य, सस्ते, विश्वसनीय, स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल साधन के रूप में इसे बढ़ावा देने के लिए विश्व साइकिल दिवस को मनाने की घोषणा की थी। 12 जून 1817 को जर्मनी के मैनहेम में बैरन कार्ल वॉन ड्रैस ने दुनिया की पहली साइकिल पेश की थी। यह लकड़ी से बना था और इसमें पैडल, गियर या जंजीर नहीं थी। उसने खुद को पहले एक पैर से और फिर दूसरे पैर से धकेला। उन्होंने इसे लॉफमाशाइन (जर्मन में चलने वाली मशीन) कहा। अब तो जापान के फुकुकोआ शहर में छात्रों ने एक ऐसी साइकिल बनाई है जो हवा से चलती है।

भारत की आर्थिक तरक्की में साइकिल ने बहुत अहम भूमिका निभाई है। आजादी के बाद से ही साइकिल देश में यातायात व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा रही है। खासतौर पर 1960 से लेकर 1990 तक भारत में ज्यादातर परिवारों के पास साइकिल थी। यह व्यक्तिगत यातायात का सबसे ताकतवर और किफायती साधन था। गांवों में किसान साप्ताहिक मंडियों तक सब्जी और दूसरी फसलों को साइकिल से ही ले जाते थे। दूध की सप्लाई गांवों से पास से कस्बाई बाजारों तक साइकिल के जरिये ही होती थी। डाक विभाग का तो पूरा तंत्र ही साइकिल के बूते चलता था। आज भी पोस्टमैन साइकिल से चिट्ठियां बांटते हैं। चीन के बाद आज भी भारत दुनिया में सबसे ज्यादा साइकिल बनाने वाला देश है।

भारत में भी विकसित की जा रही ज्यादातर आधारभूत आधुनिक संरचनाएं मोटर-वाहनों को ही सुविधा प्रदान करने के लिए बन रही हैं। साइकिल जैसे पर्यावरण-हितैषी वाहन को नजर अंदाज किया जा रहा है। जबकि शहरी व ग्रामीण परिवहन में भी साइकिल का महत्वपूर्ण स्थान है। खासतौर से कम आय-वर्ग के लोगों के लिए साइकिल उनके जीविकोपार्जन का एक सस्ता, सुलभ और जरूरी साधन है। यह इसलिए भी कि भारत का कम आय-वर्ग के लोग अपनी कमाई से प्रतिदिन सौ-पचास रुपये परिवहन पर खर्च करने में सक्षम नहीं हैं। बच्चे सबसे पहले साइकिल चलाना ही सीखते है। इसलिये बचपन में हम सभी ने साइकिल चलाई है। पहले के जमाने में जिसके पास साइकिल होती थी वह बहुत प्रतिष्ठित व्यक्ति माना जाता था। गांव के लोग जब कभी शहरों में जाते थे। तब लोगों को साइकिल चलाते हुए देखते थे और फिर वे खुद भी धीरे-धीरे साइकिल चलाना सीख जाते थे। पहले शहरों में किराए पर भी साइकिले मिलती थी।

देश की युवा पीढ़ी को अब साइकिल के बजाय मोटरसाइकिल ज्यादा अच्छी लगने लगी है। शहरों में मोटरसाइकिल का शौक बढ़ रहा था। गांवों में भी इस मामले में बदलाव की शुरुआत हो चुकी थी। इसके बावजूद भारत में साइकिल की अहमियत खत्म नहीं हुई है। 1990 के बाद से साइकिलों की बिक्री में बढ़ोतरी आई है। लेकिन ग्रामीण इलाकों में इसकी बिक्री में गिरावट आई है। दरअसल 1990 से पहले जो भूमिका साइकिल की थी। उसकी जगह गांवों में मोटरसाइकिल ने ले ली है। इसके उपरांत भी साइकिल आज भी हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं। देश में लॉकडाउन के दौरान दूसरे प्रदेशों में कमाने गए लाखों लोग साइकिल पर 1000-1500 किलोमीटर की दूरी तय कर अपने घर पहुंचे थे। संकट के समय साइकिल ही उनके घर पहुंचने का एकमात्र साधन बनी थी। लॉकडाउन के दौरान लाखों लोगों के घर पहुंचने का सबसे उपयोगी साधन बनने से लोगों को यह बात अच्छी तरह समझ में आ गयी की साइकिल आज भी आम लोगों का सबसे सस्ता व सुलभ साधन है।

वर्ष 2020 में विश्व साइकिल दिवस के दिन ही भारत की सबसे बड़ी साइकिल निर्माता कम्पनी एटलस बंद हो गयी थी। प्रतिवर्ष 40 लाख साइकिल का उत्पादन करने वाली भारत की सबसे बड़ी व दुनिया की जानी मानी कम्पनी एटलस के बंद होने से साइकिल उद्योग को बड़ा धक्का लगा है। एटलस की फैक्ट्री बंद होने से वहां काम करने वाले करीबन एक हजार लोग बेरोजगार हो गये। एटलस साइकिल कम्पनी की स्थापना 1951 में हुई थी। इसका कई विदेशी साइकिल निर्माता कंपनियों के साथ गठबंधन था। जिस कारण एटलस कम्पनी की साइकिल दुनिया भर की श्रेष्ठ साइकिलों में शुमार होती थी।

बढ़ते प्रदूषण की वजह से दुनिया के बहुत से देशों में साइकिल चलाने को बढ़ावा दिया जा रहा है। नीदरलैंड की राजधानी एम्सटर्डम में सिर्फ साइकिल चलाने की ही अनुमति है। भारत में भी दिल्ली, मुंबई, पुणे, अहमदाबाद और चंडीगढ़ में सुरक्षित साइकिल लेन का निर्माण किया गया है। उत्तर प्रदेश में भी 200 किलोमीटर लम्बा एशिया का सबसे लंबा साइकिल हाई वे बना है। अभी देश में साइकिल चालकों के अनुपात में साइकिल रोड़ विकसित किए जाने की प्रबल आवश्यकता है। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से देखा जाए तो दुनिया के देशों में साइकिल की वापसी पर्यावरण की दृष्टि से एक शुभ संकेत माना जा सकता है।

भारत सरकार अपनी साइकिल परिवहन व्यवस्था में कुछ जरूरी मूलभूत सुधार करके आम और खास लोगों को साइकिल चलाने के लिए प्रेरित कर सकती है। सरकार के इस कदम से ऐसे सभी लोग प्रेरणा पा सकते हैं। जिनकी प्रतिदिन औसत यातायात दूरी पांच-सात किलोमीटर के आसपास बैठती हैं। हमारे देश की कई राज्य सरकारें अपने स्कूली छात्र-छात्राओं को बड़ी संख्या में साइकिल वितरण कर रही हैं। जिससे साइकिल सवारों की संख्या में वृद्धि हुई है। 'द एनर्जी ऐंड रिसर्च इंस्टीट्यूट' के अनुसार पिछले एक दशक में साइकिल चालकों की संख्या ग्रामीण क्षेत्रों में 43 फीसदी से बढकर 46 फीसदी हुई है। जबकि शहरी क्षेत्रों में यह संख्या 46 फीसदी से घटकर 42 फीसदी पर आ गई है। इसकी मुख्य वजह साइकिल सवारी का असुरक्षित होना ही पाया गया है। अब समय आ गया है कि शहर एवं गांवों में साइकिल चालन को एक बड़े स्तर पर प्रोत्साहन देने का। ताकि बढ़ते प्रदूषण को कुछ हद तक रोका जा सके। शहरों में समर्पित साइकिल मार्गों का निर्माण किया जाना चाहिये। हमें विश्व साइकिल दिवस को महज एक सांकेतिक कवायद के रूप में नहीं देखना चाहिये। आज के दिन हमें मन ही मन इस बात का संकल्प लेना चाहिये कि हम हमारे रोजमर्रा के काम साईकिल से पूरा करेगें। तभी सही मायने में साइकिल दिवस मनाना सफल हो पायेगा।

भारत सरकार अपनी साइकिल परिवहन व्यवस्था में कुछ जरूरी मूलभूत सुधार करके आम और खास लोगों को साइकिल चलाने के लिए प्रेरित कर सकती है। सरकार के इस कदम से ऐसे सभी लोग प्रेरणा पा सकते हैं। जिनकी प्रतिदिन औसत यातायात दूरी पांच-सात किलोमीटर के आसपास बैठती हैं। हमारे देश की कई राज्य सरकारें अपने स्कूली छात्र-छात्राओं को बड़ी संख्या में साइकिल वितरण कर रही हैं। जिससे साइकिल सवारों की संख्या में वृद्धि हुई है। 'द एनर्जी ऐंड रिसर्च इंस्टीट्यूट' के अनुसार पिछले एक दशक में साइकिल चालकों की संख्या ग्रामीण क्षेत्रों में 43 फीसदी से बढकर 46 फीसदी हुई है। जबकि शहरी क्षेत्रों में यह संख्या 46 फीसदी से घटकर 42 फीसदी पर आ गई है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

समारोह

नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में 81वीं आईएटीए वार्षिक आम बैठक और विश्व वायु परिवहन शिखर सम्मेलन से पहले इंडिगो और एयरबस द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में भाग लिया।

बीएसएफ की 160 सदस्यीय टीम संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन ड्यूटी के लिए कांगो भेजी गई

नई दिल्ली/भाषा

सशस्त्र संघर्ष और बड़े पैमाने पर विस्थापन से तबाह अफ्रीकी देश कांगो में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के साथ तैनाती के लिए सोमवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की 160 सदस्यीय टुकड़ी को रवाना किया गया, जिसमें 25 महिलाकर्मी शामिल हैं। बीएसएफ के महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने लोधी रोड स्थित बल के मुख्यालय में टीम से मुलाकात की।

महानिदेशक ने उनसे यह सुनिश्चित करने को कहा कि भारत और बल का झंडा ऊंचा रहे।

चौधरी ने कहा, आपका आचरण और काम अनुकरणीय होना चाहिए। आपको इस कार्य के लिए प्रशिक्षित किया गया है और मुझे यकीन है कि आप यह सुनिश्चित करेंगे कि देश और बल का झंडा ऊंचा रहे। उन्होंने कर्मियों से कहा कि हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बल की कार्रवाई ने बीएसएफ को एक अद्वितीय पहचान दिलाई है और आपको उदाहरण प्रस्तुत करने का लक्ष्य रखना चाहिए।

कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य अफ्रीका का तीसरा सबसे बड़ा देश है, जिसकी सीमा युगांडा, रवांडा और बुरुंडी से लगती है। आंतरिक अशांति के कारण कांगो को संयुक्त राष्ट्र के अधीन रखा गया है।

बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने बताया कि कमांडेंट कैलाश सिंह मेहता के नेतृत्व में बीएसएफ की यह 18वीं टुकड़ी कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य के बेनी में स्थित संयुक्त राष्ट्र संगठन स्थिरीकरण मिशन (एमओएनयूएससीओ) में शामिल होगी। उन्होंने बताया कि 160 सदस्यीय दल में सात अधिकारी, नौ अधीनस्थ अधिकारी और 144 अन्य कर्मी हैं, जिनमें एक महिला चिकित्सा अधिकारी और 24 महिला कांस्टेबल शामिल हैं। उन्होंने कहा, यह टुकड़ी बीएसएफ की 17वीं टुकड़ी की जगह लेगी, जो अब तक बेनी में तैनात थी और चार जून को वापस लौट रही है।

चीन का अमेरिका पर पलटवार; शुल्क समझौते को कमजोर करने का लगाया आरोप

बीजिंग/भाषा। चीन ने सोमवार को अमेरिका पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि उसने हाल में जिनेवा में हुए व्यापार शुल्क समझौते का गंभीर रूप से उल्लंघन किया है।

चीन ने कहा कि अमेरिका ने एआई चिप निर्यात नियंत्रण दिशानिर्देशों, चीन को चिप डिजाइन सॉफ्टवेयर की बिक्री रोकने और चीनी छात्रों के लिए वीजा रद्द करने जैसे कई प्रतिबंधात्मक उपाए लागू कर समझौते का गंभीर रूप से उल्लंघन किया है।

चीन के वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने बयान में कहा कि अमेरिका ने चीन के खिलाफ कई भेदभावपूर्ण प्रतिबंधात्मक उपायों को लागू किया है। इससे जिनेवा में चीन-अमेरिका आर्थिक एवं व्यापार वार्ता के दौरान बनी आम सहमति को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा।

बयान में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस आरोप का खंडन किया गया कि चीन ने ''हमारे साथ समझौते का पूरी तरह से उल्लंघन किया है।''

प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधात्मक उपायों में एआई चिप निर्यात नियंत्रण पर दिशानिर्देश जारी करना, चीन को चिप डिजाइन सॉफ्टवेयर की बिक्री रोकना और चीनी छात्रों के वीजा रद्द करने की घोषणा करना शामिल है।

यह महत्वपूर्ण है कि चीन ने छात्र वीजा को व्यापार और शुल्क से संबंधित मुद्दों के साथ जोड़ दिया है।

तिरंगा यात्रा

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को पूर्वी चंपारण में चल रही 'विकसित कृषि संकल्प यात्रा' के तहत तिरंगा यात्रा में भाग लिया।

रूस को संदेश देने के लिए रक्षा खर्च बढ़ाएगा ब्रिटेन

लंदन/एपी

रूस को संदेश देने के लिए ब्रिटेन परमाणु ऊर्जा से संचालित नई हमलावर पनडुब्बियां बनाएगा और यूरोप में युद्ध के लिए तैयार सेना का गठन करेगा।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने तीन दशक से अधिक समय पहले शीत युद्ध की समाप्ति के बाद ब्रिटेन की रक्षा नीति में सबसे बड़े बदलाव करने का संकल्प लेते हुए कहा कि लंदन रूस से उत्पन्न खतरे को नजरअंदाज नहीं कर सकता।

स्टॉर्मर ने 'बीबीसी' से कहा, हमें यह स्वीकार करना होगा कि दुनिया बदल गई है। आज पिछले कई वर्षों से कहीं ज्यादा अस्थिरता और खतरे हैं।

ब्रिटिश सरकार को स्टॉर्मर की ओर से ब्रिटेन के पूर्व रक्षा सचिव एवं नाटो महासचिव जॉर्ज रॉबर्टसन के नेतृत्व में की गई रणनीतिक रक्षा समीक्षा पर सोमवार को प्रतिक्रिया देनी है।

यह 2021 के बाद अपनी तरह की पहली समीक्षा है, जो 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण और पिछले साल डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति चुने जाने के बाद बदलते वैश्विक समीकरणों के बीच हुई है।

ब्रिटिश सरकार ने कहा है कि वह समीक्षा में की गई सभी 62 सिफारिशों को स्वीकार करेगी, जिनका मकसद जमीन, हवा, समुद्र और साइबरस्पेस में बढ़ते खतरों का मुकाबला करने में ब्रिटेन की मदद करना है।

ब्रिटेन के रक्षा मंत्री जॉन हेली ने कहा कि ये बदलाव मॉस्को को संदेश देंगे और ब्रिटिश सेना की सूरत बदलेंगे, जिसमें पिछले कई दशकों से सैनिकों की संख्या में लगातार कटौती की जा रही है।

हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि सैनिकों की संख्या, जो मौजूदा समय में ऐतिहासिक रूप से सबसे कम है, उसमें 2030 के दशक की शुरुआत में ही वृद्धि होने की संभावना है।

हेली ने कहा कि रक्षा खर्च को 2027 तक राष्ट्रीय आय के 2.5 फीसदी तक पहुंचाने की योजना पटरी पर है और इसमें कोई संदेह नहीं है कि 2034 से पहले यह तीन प्रतिशत तक हो जाएगी।

स्टॉर्मर ने कहा कि तीन प्रतिशत का लक्ष्य एक आकांक्षा है, न कि दृढ़ संकल्प और यह स्पष्ट नहीं है कि नकदी की कमी से जूझ रहे सरकारी खजाने को इसके लिए धन कहां से मिलेगा। सरकार ने रक्षा खर्च को 2.5 फीसदी के लक्ष्य तक ले जाने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहायता खर्च में पहले ही कटौती कर दी है।

जानकारी के मुताबिक, ब्रिटिश सरकार सोमवार को ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के साथ मिलकर एयूकेयूएस साझेदारी के तहत परमाणु ऊर्जा से संचालित और पारंपरिक हथियारों से लैस कम से कम 12 पनडुब्बियों के निर्माण की घोषणा कर सकती है।

सरकार ने यह भी कहा है कि वह ब्रिटेन के परमाणु शस्त्रागार को मजबूत करने के लिए 15 अरब पाउंड का निवेश करेगी, जिसमें पनडुब्बियों पर तैनात की जाने वाली मिसाइलों का निर्माण भी शामिल है।

इसके अलावा, सरकार ब्रिटेन के पारंपरिक हथियार भंडार में भी इजाफा करेगी और इसमें स्वदेश में निर्मित लंबी दूरी के 7,000 हथियार शामिल किए जाएंगे।

डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि के नेतृत्व में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने मैड्रिड में एसोसिएशन डी वैक्टिमस डेल टेरोरिज्मो के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करती हुई।

फिल्म 'नारी' 6 को होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

विश्वमूर्ति फिल्म्स प्रोडक्शन के बैनर तले बनी एक्शन ड्रामा फिल्म 'नारी' 06 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म नारी की मुख्य भूमिका में संजना पाण्डेय और गौरव झा नजर आएंगेद्य संजना पहली बार एक्शन अवतार में दिखाई देंगी। यह फिल्म महिला सशक्तिकरण की सोच को एक नई उंचाई देती है। फिल्म के निर्माता संजय पाण्डेय और देवेंद्र बंसल हैं, जिन्होंने बताया कि यह फिल्म समाज में महिलाओं की ताकत और उनके संघर्ष को मजबूती से प्रस्तुत करती है। उन्होंने कहा कि आज की नारी हर चुनौती का डटकर सामना कर सकती है और यही फिल्म की मूल भावना है। फिल्म का निर्देशन सोम भूषण श्रीवास्तव ने किया है। उन्होंने बताया कि यह फिल्म नारीत्व के सम्मान और आत्मबल पर केंद्रित है। फिल्म में न केवल एक्शन है, बल्कि भावनाओं, संघर्ष और सामाजिक संदेशों का गहरा मिश्रण भी है।

यह फिल्म हर वर्ग के दर्शकों से जुड़ने की ताकत रखती है। संजना पाण्डेय ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस फिल्म के जरिए उन्हें अपने अभिनय कौशल के एक नए पहलू को दिखाने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण पर बनी यह फिल्म दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर देगी। फिल्म में संजना और गौरव झा के साथ किरण सिंह, निशा तिवारी, रामसुजान सिंह, के के गोस्वामी, मटरू, जय सिंह, सुबोध सेठ, शाइना सिंह, संजय मिश्रा, पिंकी सहाय, प्रदीप महादेव पवार, सहित कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का संगीत मुन्ना दुबे ने तैयार किया है, गीत प्यारेलाल यादव, राजेश मिश्रा और शेखर मधुर के हैं।

वेब सीरीज 'छल कपट द डिसेप्शन' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

जी5 ने अपनी आगामी ओरिजिनल वेबसीरीज, छल कपट द डिसेप्शन का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। छल कपट द डिसेप्शन, अजय भुयान द्वारा निर्देशित, जगरनॉट प्रोडक्शन द्वारा निर्मित की गयी है। श्रिया पिलगांवकर की मुख्य भूमिकावाली इस सीरीज़ में काम्या अहलावत, रागिनी द्विवेदी, तुहिना दास, याहवे शर्मा, प्रणय पचौरी, स्मरण साहू और अनुज सचदेवा भी शामिल हैं। 'छल कपट द डिसेप्शन' की कहानी बुरहानपुर में एक अंतरंग शादी के दौरान सेट की गयी है। कहानी तब एक गहरा मोड़ लेती है जब दुल्हन की सबसे अच्छी सहेलियों में से एक मृत पाई जाती है। यह उत्सव जीवन भर के दोस्तों के बीच रहस्यों, आक्रोश और विश्वासघात से भरी एक तनावपूर्ण रहस्यपूर्ण कहानी में बदल जाता है। इंस्पेक्टर देविका (श्रेया पिलगांवकर

द्वारा अभिनीत) हत्या की जांच का नेतृत्व करती है। देविका एक तेजतर्रार पुलिस अधिकारी है जिसका अतीत संदिग्ध है और उसकी प्रवृत्ति तेज है।

जैसे-जैसे दबी हुई सच्चाई सामने आती है, रिश्तों की परीक्षा होती है और वफादारी और धोखे के बीच की रेखा धुंधली होने लगती है। श्रिया पिलगांवकर ने कहा, छल कपट द डिसेप्शन कोई आम मर्डर मिस्ट्री नहीं है। मैं पहली बार एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाने को लेकर रोमांचित हूं, लेकिन जो चीज इस भूमिका को वास्तव में खास बनाती है, वह है किरदार की जटिलता। एक ऐसे पुलिस अधिकारी का किरदार निभाना रोमांचक है जो ढांचे को तोड़ता है। देविका तेज है, और नैतिक रूप से जटिल है। उनके जैसे किरदार इस जगह पर कम ही देखने को मिलते हैं। मैं दर्शकों को उत्साह के साथ यही कहूँगी के वे मुझे 6 जून से केवल जी5 पर सस्पेंस से भरपूर वेब सीरीज में देखें। निर्देशक अजय भुयान ने कहा, शुरू से ही, मैंने छल कपट द डिसेप्शन को सिर्फ़ एक मर्डर मिस्ट्री से कहीं ज़्यादा के रूप में देखा था। शादी की सेटिंग ने हमें एक बेहतरीन कैनवास दियाद्य ड्रामा, इमोशन और शानदार दृश्य- सभी सस्पेंस में लिपटे हुए। इंस्पेक्टर देविका के रूप में श्रेया पिलगांवकर का होना एक गेम-चेंजर था।

उन्होंने सिर्फ़ भूमिका नहीं निभाई है, उन्होंने इसे जिया है। ट्रेलर सिर्फ़ एक झलक है- आगे जो है वह एक गहरी परत वाली कहानी है जो दर्शकों को अंत तक बांधे रखेगी। इस सीरीज़ में सब कुछ है- ड्रामा, इमोशन, एक शानदार पृष्ठभूमि और सस्पेंस। यह एक फुल-ऑन एंटरटेनमेंट पैकेज है, और मैं दर्शकों को हमारे द्वारा बनाई गई रोमांचक यात्रा का अनुभव कराने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।

'क्रिमिनल जस्टिस : ए फैमिली मैटर' में खुशी भारद्वाज एस्परगर सिंड्रोम से पीड़ित इरा की चुनौतीपूर्ण भूमिका में

मुंबई/एजेन्सी

अप्लॉज एंटरटेनमेंट और डिज्नी+ हॉटस्टार की बहुप्रतीक्षित सीरीज 'क्रिमिनल जस्टिस' के चौथे सीजन, जिसका शीर्षक क्रिमिनल जस्टिस: ए फैमिली मैटर है, के प्रीमियर के बाद से ही दर्शकों में खासी चर्चा है। इस सीजन में युवा अभिनेत्री खुशी भारद्वाज ने अपने अभिनय से सभी का ध्यान खींचा है। खुशी ने 'इरा' की एक बेहद चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाई है, जो सुरवीन चावला और मोहम्मद जीशान अय्यूब द्वारा अभिनीत किरदारों की बेटी है, और एक हाई-प्रोफाइल हत्या के रहस्य में प्रमुख संदिग्धों में से एक है। 'इरा' के किरदार की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि वह एस्परगर सिंड्रोम से जूझ रही है। इस जटिल किरदार को निभाने और अपने ऑडिशन के बारे में बात करते हुए खुशी भारद्वाज ने कहा, ईमानदारी से कहूँ तो, इस किरदार को निभाना एक सपने जैसा लगा, ऐसी सफल फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनना अविश्वसनीय था। इंडस्ट्री के सबसे प्रतिभाशाली अभिनेताओं में से एक के साथ काम करना सम्मान की बात थी। एस्परगर सिंड्रोम से पीड़ित किरदार को चित्रित करने की चुनौती पर उन्होंने कहा कि वे शुरू में इस भूमिका के लिए ऑडिशन देने को लेकर थोड़ी अनिश्चित थीं, खासकर जब उनकी 10वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएँ उसी समय हो रही थीं। खुशी ने इस किरदार को प्रामाणिक रूप से निभाने के लिए गहन शोध किया। उन्होंने बताया, हमने इसके लिए हामी भरी, मैंने इरा की स्थिति के बारे में बहुत सारे वीडियो देखे और इसे प्रामाणिक रूप से चित्रित करने की पूरी कोशिश की। अपने निजी अनुभवों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, अपने स्कूल में दिव्यांग बच्चों को देखने और उनसे बातचीत करने का मौका मिलने से, जिसमें मेरी अपनी कक्षा का एक छात्र भी शामिल था, मुझे एक अनूठा नजरिया मिला। मैं उनकी बातचीत की बारीकियों, सूचनाओं को समझने के उनके तरीके और उनके अनुभवों को दर्शाने वाले सूक्ष्म संकेतों को प्रत्यक्ष रूप से देख पाई। खुशी ने आगामी एपिसोड्स के बारे में ज्यादा खुलासा न करते हुए बताया कि इनमें बहुत सारे कोर्टरूम ड्रामा और भावनात्मक सीन हैं।

फिल्म 'चंद्रकांता' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार यश कुमार की आने वाली फिल्म 'चंद्रकांता' का ट्रेलर यश कुमार एंटरटेनमेंट के यूट्यूब चैनल से रिलीज कर दिया गया है। फिल्म चंद्रकांता की कहानी एक रहस्यमयी गांव से शुरू होती है, जहां के जंगल में एक खूबसूरत लेकिन खतरनाक परी (सपना चौहान) रहती है। मान्यता है कि जिसे यह परी देख लेती है, उसकी मौत निश्चित हो जाती है। इसी रहस्य से जुड़ी है यश कुमार के किरदार की कहानी, जिसे परी से बचाने के लिए घर से दूर भेज दिया जाता है। लेकिन जब वह लौटता है और अपनी नई जिंदगी शुरू करता है, तब एक दिन परी को देखने की जिज्ञासा उसे जंगल की ओर ले जाती है , और यहीं से शुरू

होता है फिल्म का असली तिलिस्मी रोमांच। ट्रेलर में जहां यश कुमार अपने सशक्त अभिनय से दर्शकों को बांधते हैं, वहीं सपना चौहान एक रहस्यमयी परी के किरदार में दर्शकों को मंत्रमुग्ध करती हैं।

इसके अलावा त्रिशा कर मधु, प्रीति मौर्या, अमित शुक्ला, और अनिता रावत जैसे कलाकारों ने भी दमदार अभिनय से ट्रेलर को और रोचक बनाया है। फिल्म में सामाजिक सरोकार और पौराणिक रंगत का अद्भुत मिश्रण दिखाई देता है। इस फिल्म का निर्देशन रुस्तम अली चिश्ती ने किया है, जबकि निर्माण यश कुमार एंटरटेनमेंट और निधि मिश्रा द्वारा किया गया है। फिल्म की पटकथा एस. के. चौहान और यश कुमार ने लिखी है, वहीं संवाद मनोज गुप्ता ने लिखे हैं। संगीत की बागडोर साजन मिश्रा ने संभाली है, और गीतों को धरम हिंदुस्तानी और शेखर मधुर ने शब्दों से सजाया है।

सोनू सूद को मिला ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड

हैदराबाद/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद को मानवीय कार्यों के लिए प्रतिष्ठित ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। सोनू सूद लोगों की मदद के लिए हमेश तत्पर रहते हैं। कोरोना काल के दौरान सोनू सूद ने देशभर में लोगों की मदद की थी। सोनू सूद ने अपने फाउंडेशन सूद चैरिटी के माध्यम से देशभर में लोगों की मदद की थी। सोनू सूद को हैदराबाद में हुये मिस वर्ल्ड के ग्रैंड फिनाले में उनके मानवीय कार्यों के लिए प्रतिष्ठित ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड दिया गया। सोनू सूद को राणा दग्गुबाती ने यह अवॉर्ड दिया। इसके अलावा सोनू सूद इस साल मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में जूरी के सदस्य भी थे।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

प्राचीन सती प्रथा से भी अनंत गुना ज्यादा खतरनाक है विधवा प्रथा। इस प्रथा में जिंदगी भर महिला का तिरस्कार और उसकी उपेक्षा करके उसकी आत्मा को छलनी छलनी कर देते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म ग्रंथ में विधवा शब्द का उल्लेख नहीं है, ऐसे में उस विधवा महिला को नारकी जीवन जीने को मजबूर करना कहां का न्याय है? नारी को दूसरे नंबर का दर्जा देना, हीनभावना से देखना अपशगुन मानना, माता दुर्गा-सरस्वती-लक्ष्मी का अपमान करने के समान है। शील व्रत पालने वाली महिला किसी भी देवी से भी महान होती है।

कॉलेज के जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए नि:शुल्क पुस्तकें उपलब्ध

जयगोपाल गरोडिया चैरिटेबल बुक बैंक की है यह सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के अन्नानगर में संचालित जेजीवीवी ट्रस्ट का जयगोपाल गरोडिया चैरिटेबल बुक बैंक ने उन कॉलेज विद्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित किए है जिन्हें नि:शुल्क पुस्तकों की आवश्यकता है। फॉर्म और उपलब्ध पुस्तकों की जानकारी ु.क्षर्सीिलेझलरपझ्.ीस से प्राप्त की जा सकती हैं। विद्यार्थी पहचान पत्र दिखाने पर फॉर्म बुक बैंक में भी उपलब्ध हैं। बुक बैंक में वाणिज्य, लेखा, विज्ञान, कला, कंप्यूटर विज्ञान, प्रबंधन अध्ययन आदि विषयों की 600 से अधिक पुस्तकों की लगभग चालीस हज़ार प्रतियां हैं। कॉलेज अधिकारियों द्वारा प्रमाणित आवेदन पत्र के साथ छात्र के निवास का प्रमाण पत्र कार्य दिवसों में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे के बीच व्यक्तिगत रूप से जमा करना होगा।

इस सेवा के लिए कोई भी जमानत राशि या प्रोसेसिंग फीस नहीं है। दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत करना ही पर्याप्त है। विद्यार्थियों को अपनी परीक्षाएं पूरी करने के बाद किताबें वापस कर देनी चाहिए। पुस्तक बैंक पिछले 25 वर्षों से परोपकारी जयगोपाल गारोड़िया के सपने को साकार करने के लिए काम कर रहा है, जिन्होंने वंचितों को शिक्षा प्रदान करने के लिए शैक्षणिक संस्थानों की एक श्रृंखला स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। राज्य भर के 250 कॉलेजों के लगभग एक लाख अठारह हज़ार छात्र अब तक लाभान्वित हो चुके हैं। अब तक बुक बैंक ने अन्ना विश्वविद्यालय और मद्रास विश्वविद्यालय स्तर पर सात स्वर्ण पदक विजेता तैयार किए हैं।

मद्रासी कैंप ढहाये गए, बेघर परिवार आश्रमों में शरण ले रहे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। दिल्ली में वर्षों से मद्रासी कैंप में रहे कृष्णन और उनके परिवार का नया घर अब 'सनलाइट आश्रम' है जिसका विकल्प उन्होंने अपनी मर्जी से नहीं, बल्कि हताशा में चुना है क्योंकि शिविर को ढहा दिया गया है। कृष्णन ने कहा, हमारे पास आश्रम में शरण लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। मेरा कार्यस्थल पास में ही है और कहीं दूर जाने का मतलब है रोजगार से हाथ धो बैठना। दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के बाद नगर निगम अधिकारियों के तोड़फोड़ अभियान के कारण बारापुला ब्रिज के पास झुग्गी बस्तियों में स्थित उनका घर मलबे में तब्दील हो गया। आशियाना उजड़ने के बाद कृष्णन अब नया आश्रय ढूंढने, अधिक एवं अग्रिम किराया भुगतान जैसी कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''हम सिर छिपाने के लिए जगह ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अग्रिम और अधिक किराया भुगतान के कारण यह काम मुश्किल लग रहा है। आश्रम जो कभी चार हजार रुपये लेता था अब आठ हजार रुपये मांग रहा है।'' दशकों पुरानी झुग्गी बस्ती के ध्वस्त होने से 370 परिवार बेघर हो गए हैं, जिनमें से कई ने आश्रमों और सामुदायिक आश्रयों में अस्थायी शरण ली है। मद्रासी कैंप में 60 वर्षों से रहने वाले वाहन चालक प्रशांत ने कहा कि 150 से अधिक लोग पास के आश्रमों में चले गए हैं। उन्होंने कहा, ''मैंने यहां अपने परिवार का पालन-पोषण किया। अब हम सात लोग एक कमरे में रहने को मजबूर हैं। उम्मीद नहीं थी कि हम अचानक सब कुछ खो देंगे।''

निवासियों और कार्यकर्ताओं ने सरकार से इस तरह के अभियान से पहले उचित पुनर्वास सुनिश्चित करने का आग्रह किया। नरेला में सरकारी फ्लैट के लिए 189 परिवार पात्र पाए गए हैं, जबकि कई अन्य का दावा है कि उन्हें स्पष्ट जवाब ही नहीं दिया गया। पात्र परिवारों की सूची 12 अप्रैल को जारी की गई थी। अधिकारियों ने 30 मई को निवासियों को सूचित किया कि 31 मई से एक जून तक नरेला के फ्लैट में स्थानांतरित होने के लिए बारापुला ब्रिज पर ट्रक मौजूद रहेंगे। सुमिधि ने कहा कि उनकी गर्भवती बेटी को नया घर नहीं मिल पाया है।

कैंप में 30 साल रहीं सुमिधि ने पूछा, ''हमें कहा गया था कि हमें घर दिए जाएंगे, लेकिन हमें कुछ भी नहीं मिला। अब हम कहां जाएं?'' दक्षिण पूर्वी दिल्ली के जिलाधिकारी अनिल बांका ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा निर्देशित अतिक्रमण विरोधी अभियान के तहत तोड़फोड़ की गई। उन्होंने कहा, ''बारापुला नाले के संकरे होने से सफाई करना मुश्किल हो गया और मानसून के दौरान बाढ़ आ गई थी। यह अभियान जरूरी था।''

उन्होंने पुष्टि की कि 370 घरों को ध्वस्त किया गया है और 189 परिवार पुनर्वास के लिए पात्र पाये गए हैं। यह अभियान लोक निर्माण विभाग, दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड, राजस्व विभाग और दिल्ली पुलिस की सहायता से चलाया गया।

सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री वितरित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। शहर के उपनगर सीरप्पालायम स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय में स्कूल शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में वर्धमान जैन सेवा संघ (कोयंबतूर) के संरक्षक ज्ञानचंद खारीवाल व विशिष्ट अतिथि के रूप में सेवा संघ के संस्थापक राजेश कुमार गादिया उपस्थित हुए।

इस मौके पर उपस्थित बच्चों को सेवा संघ द्वारा पाठ्य पुस्तकें, अभ्यास पुस्तिकाएं, पेन, पेंसिल, तिरुक्कुरल सहित मिठाइयां वितरित की गई। ज्ञानचन्द खारीवाल ने ध्वजारोहण किया।

राजेश कुमार ने बच्चों को प्रेरणादायी संबोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रधान अध्यापिका रानी ने किया।

साउथर्न स्ट्रीट प्रीमियर लीग का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण भारत में अपनी तरफ का पहला टी-10 टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट साउथर्न स्ट्रीट प्रीमियर लीग का भव्य शुभारंभ चेन्नई में किया गया। इस क्रिकेट टूर्नामेंट का मुख्य उद्देश्य दक्षिण भारतीय राज्यों से क्रिकेट के प्रति बेजोड़ जुनून एवं प्रतिभाओं को विश्व स्तरीय क्रिकेट स्टेडियमों तक पहुंचाकर खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय क्रिकेट की दुनिया से परिचित करवाना है।

आगामी अगस्त माह में दक्षिण भारत के छः राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले बारह सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट टीमें (प्रत्येक टीम में पच्चीस खिलाड़ी) टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट हेतु प्रतिस्पर्धाएं करेंगी। इन प्रतिस्पर्धाओं हेतु पुरस्कार राशि तीन करोड रुपए रखी गई है। क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ साउथर्न स्ट्रीट प्रीमियर लीग (एसएसपीएल) के अध्यक्ष नवाबजादा मोहम्मद आसिफ अली सेलिब्रिटी संरक्षक रवी मोहन तथा एसएसपीएल के निदेशक एलटी आनंद ने एक भव्य कार्यक्रम में एसएसपीएल के आधिकारिक लोगो तथा पांच फीट ऊंची ट्रॉफी का भी अनावरण किया गया।

एसएसपीएल आयोजकों ने इस अवसर पर बताया कि खिलाड़ियों को इस टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए चयन प्रक्रिया सभी दक्षिण भारतीय राज्यों एवं उनके मेट्रो शहरों में आयोजित की जाएगी। तीन स्तरीय चयन प्रक्रिया महीने भर चलेगी जिसमें स्थानीय क्रिकेट प्रतिभाएं अपना शानदार प्रदर्शन करते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जगत में अपना अलग पहचान बना सकती है।

रॉटोप्लास्ट चैलेंजर्स टीम ने जीता 'काक्स्टा' क्रिकेट कप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय कर्नाटक एग्रीकल्चर वाटर पम्प एंड स्पेयर्स ट्रेडर्स एसोसिएशन (काक्स्टा) के तत्वावधान में कॉक्स्टा क्रिकेट कप 2025 का आयोजन गुरुकुल स्कूल मैदान में किया गया। रॉटोप्लास्ट चैलेंजर्स टीम ने फाइनल में वी-गार्ड कंगारूज टीम को 5 विकेट से हराकर ख़िताब पर कब्जा जमाया। फाइनल में मैन ऑफ़ दि मैच रॉटोप्लास्ट टीम के नितिन को मिला जिसने 2 ओवर में 6 रन देकर 2 विकेट लिए। टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार वी-गार्ड टीम के कप्तान अभिजीत को मिला।

संस्था के अध्यक्ष सुनील सुराणा ने बताया कि संघ ने हर वर्ष की तरह इस बार भी खेल के साथ चैरिटी कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें कलाज्योति चैरिटेबल ट्रस्ट को करीब 1 लाख रुपए तक का आवश्यक सामान दान में दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सेवानिवर्त मानद कैप्टन जी. धनंजय युडू और मेजर आर. रहमान का सम्मान किया गया। अध्यक्ष सुनील सुराणा ने सबका स्वागत किया। खेल मंत्री दिनेश डोशी और सचिव संजय भीमानी ने सबको धन्यवाद दिया। सहसचिव डेविस डी कोस्टा ने संचालन किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में पदाधिकारी व पूर्व पदाधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रसंत कमलेश मुनि का चातुर्मास प्रवेश 29 जून को, पोरुर से होगा प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कांचीपुरम। शहर के जैन स्थानक भवन में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने अपने प्रवचन में कहा कि मंगल-अमंगल केवल मन का वहम होता है और उसका वास्तविक अर्थों में कोई भी महत्व नहीं है।

नवकार मन्त्र का जाप करने से सभी कार्य शुभ होते हैं। इस मौके पर कांचीपुरम में चेन्नई के उपनगर पोरुर से एक प्रतिनिधिमंडल संघ के अध्यक्ष ललित सांखला के नेतृत्व में मुनिश्री के पास पहुंचा और चेन्नई में चातुर्मास के लिए पोरुर से प्रवेश के लिए निवेदन किया।

प्रतिनिधि मंडल में प्रकाशचन्द बंब, जुगराज बोरुंदिया, रमेश कांकलिया, राजकुमार कांकरिया, सुरेश गुगलिया आदि शामिल थे।

मुनिश्री ने सभी आगारों को ध्यान में रखते हुए पोरुर संघ की विनती को स्वीकार किया। पोरुर मे मुनिश्री का प्रवेश 8 जून को प्रस्तावित है। इसके अलावा साहुकार पेट जैन संघ के अध्यक्ष प्रकाशचन्द खिवसरा, मंत्री डॉ. संजय पींचा, कार्याध्यक्ष सुशील ललवानी भी मुनिश्री के दर्शन के लिए उपस्थित हुए और चातुर्मास के दौरान धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों के बारे में आवश्यक विचार विमर्श किया।

उल्लेखनीय है कि मुनिश्री कमलेश मुनिश्री का चातुर्मास साहुकारपेट में होगा जिसका 29 जून को प्रवेश प्रस्तावित है।

जैन युवा मंच 'नवकिरण' द्वारा श्रवणबेलगोला एवं मंदारगिरि यात्रा का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

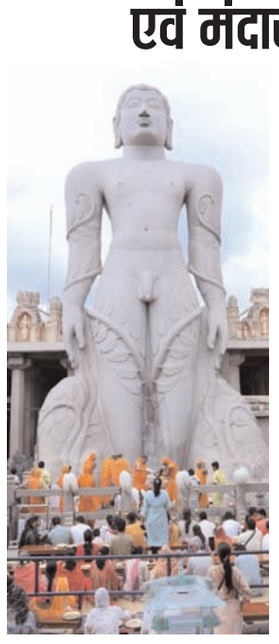

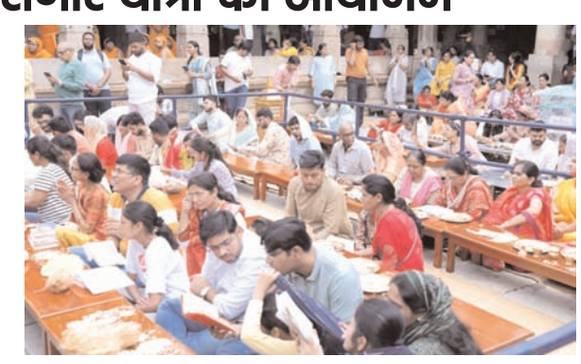

बेंगलूरु। दिगम्बर जैन युवा मंच नवकिरण' द्वारा आध्यात्मिक उन्नति को समर्पित एक पावन पहल के अंतर्गत श्री श्रवणबेलगोला एवं मंदारगिरि की भक्ति यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें शहर के 500 श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस यात्रा का उद्देश्य जैन युवाओं के बीच आध्यात्मिक विकास, सांस्कृतिक संरक्षण और एकता को बढ़ावा देना था। सचिन सेठी के नेतृत्व में आयोजित इस यात्रा में अंकित जैन,राहुल पहाड़िया तथा नवकिरण टीम के अन्य उत्साही सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। यात्रियों ने श्रवणबेलगोला में भगवान गोम्मटेश्वर बाहुबली की भव्य एकाश्म प्रतिमा के दर्शन किए और सामूहिक रूप से प्रार्थना, ध्यान और पूजन में भाग लिया। इसके पश्चात यात्रियों ने जैन तीर्थ मंदारगिरि के दर्शन किए और ध्यान साधना और पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। इस यात्रा में समाज के वरिष्ठ सदस्य मनोज काला एवं ज्ञानचंद गंगवाल का सहयोग सराहनीय रहा। विल्सन गार्डन के खंडेलवाल दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष अशोक सेठी ने सभी प्रायोजकों व सहयोगियों को धन्यवाद दिया।

चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर, कुमारापार्क

अंजनशलाका प्रतिष्ठा महोत्सव एवं सुराणा साधना संकुल का लोकार्पण सम्पन्न

सुराणा परिवार ने मुनिसुव्रत कुमारापार्क जैन संघ को सौंपे अधिकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जाने माने दानवीर परिवार भंवरीबाई-घेवरचन्द, दिलीप, आनंद सुराणा परिवार द्वारा कुमारापार्क में स्वद्रव्य से निर्मित सुराणा साधना संकुल का लोकार्पण एवं चिंतामणि पार्श्वनाथ भगवान की अंजनशलाका प्रतिष्ठा का 13 दिवसीय महोत्सव सम्पन्न हुआ। सुराणा परिवार ने यह संकुल, समाज और जिनशासन को समर्पित करते हुए मुनिसुव्रत कुमारापार्क जैन संघ को विधिपूर्वक अधिकार सौंप दिया।

रविवार को मंदिर के प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत सुबह मुनिसुव्रत मंदिर से दीक्षा कल्याणक वरघोड़ा निकाला गया। शोभायात्रा में साधु-साध्वियों सहित विभिन्न जैन संघ के सदस्यों व भक्तों की बड़ी उपस्थित थी। क्षेत्र के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए यह शोभायात्रा सुराणा साधना संकुल पहुँची जहां संगीतकार विनीत गेमावत एवं उनकी टीम द्वारा दीक्षा कल्याणक विधान विधिपूर्वक सम्पन्न कराया। रविवार को शाम भजन गायक पारस गढ़ा द्वारा संगीतमय प्रस्तुति दी गई। मध्यरात्रि में अंजनशलाका विधान शुरू हुआ, जिसमें देशभर से लगभग 40 जिन प्रतिमाओं का विधान आचार्यश्री अभयशेखरसूरीश्वरजी, आचार्यश्री हीरचंद्रसूरीश्वरजी व साध्वी संस्कारनिधिश्रीजी की निश्रा में सम्पन्न हुआ।

सोमवार को चिंतामणि पार्श्वनाथ भगवान सहित सभी प्रतिमाओं का 108 अभिषेक किया गया। शुभ मुहूर्त में ॐ पुण्यांहम पुण्यांहम, प्रियंताम प्रियंताम की ध्वनि के साथ चिंतामणि पार्श्वनाथ भगवान का मंदिर प्रवेश, प्रतिष्ठा विधि तथा ध्वजारोहण विधिपूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रतिष्ठा के पश्चात भवरीबाई घेवरचंद सुराणा परिवार द्वारा आयोजित धर्मसभा आचार्यश्री अभयशेखरसूरीश्वरजी की निश्रा में सम्पन्न हुई।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.